website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 280 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 17 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने सीएम धामी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम धामी के कार्यों की सराहना करते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वे राज्य के सर्वांगीण विकास और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।"

वहीं, सीएम धामी ने पीएम मोदी के पोस्ट को शेयर करते हुए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री, आपके स्नेहपूर्ण आशीष और प्रेरणादायी शुभकामनाओं के लिए हृदयतल से आभार। आपके सशक्त नेतृत्व ने उत्तराखंड को सर्वांगीण व सर्वस्पर्शी विकास की नई राह दिखाई है, जिस पर हम पूरी ऊर्जा व प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आपका अमूल्य मार्गदर्शन हमें 'सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तराखंड' के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। हम इस दशक को 'उत्तराखंड का स्वर्णिम दशक' बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।"

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सीएम धामी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, "उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आप गरीब कल्याण के साथ देवभूमि की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। बाबा केदारनाथ से आपके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "देवभूमि की पहचान को मजबूत करने और राज्य के निरंतर विकास को सुनिश्चित करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उत्तराखंड की जनता की सेवा में निरंतर सफलता प्रदान करे।"

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम धामी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "देवभूमि उत्तराखंड के विकास को समर्पित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और आपके कुशल क्रियान्वयन में उत्तराखंड ने पारदर्शी शासन और विकासोन्मुख नीतियों का एक नया अध्याय लिखा है। आपकी कार्यशैली उत्तराखंड की आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल और सशक्त भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रही है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे आपको स्वस्थ, दीर्घायु व निरंतर ऊर्जा से परिपूर्ण रखें और आप देवभूमि को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएं।"

अमित शाह ने ड्रग कार्टेल पर कड़ी कार्रवाई का किया आह्वान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ड्रग कार्टेल के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आह्वान किया है। मंगलवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शाह ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए युवाओं को नशे से बचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

यह समय कार्टेलों को कठोर झटका देने का

उन्होंने तीन प्रकार के ड्रग कार्टेल की पहचान की – प्रवेश बिंदुओं पर, वितरण नेटवर्क पर और स्थानीय खुदरा श्रृंखलाओं पर- और इनके खिलाफ निर्णायक प्रहार करने का निर्देश दिया। शाह ने कहा, "यह समय इन कार्टेलों को कठोर झटका देने का है। यह तभी संभव है जब हम इसे अपनी लड़ाई मानें।"

युवा पीढ़ी को नशे से बचाना राष्ट्रीय प्राथमिकता

अमित शाह ने ड्रग्स के वैश्विक आपूर्ति केंद्रों की भारत से निकटता को एक बड़ी चुनौती बताया और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने को राष्ट्रीय प्राथमिकता करार दिया। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक पूर्ण विकसित भारत के दृष्टिकोण के लिए युवाओं को नशे से मुक्त रखना जरूरी है। अगर हमारी युवा पीढ़ी खोखली हो गई, तो देश भटक जाएगा।"

ड्रग नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए जताई ये आवश्यकता

केंद्रीय गृह मंत्री ने विदेशों से संचालित ड्रग नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए प्रत्यर्पण और निर्वासन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने सीबीआई के प्रयासों की सराहना करते हुए एएनटीएफ प्रमुखों से इसके लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने को कहा। गृह मंत्रालय जल्द ही इस संबंध में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगा।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाज़ार, जापान को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित 'सेव इंटरनेशनल 2025 वैल्यू समिट' में भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचे नवाचार में दुनिया में अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी भविष्यि योजना व्यरक्तम की।

सभी प्रमुख वैश्विक ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद

इस दौरान, गडकरी ने कहा कि भारत अब जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाज़ार बन गया है और सरकार अगले 5 वर्षों में इसे पहले स्थान पर लाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। उन्हों ने कहा कि सभी प्रमुख वैश्विक ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं, जिनका ध्यान केवल असेंबलिंग करने से हटकर भारत से पूरे विश्वब में वाहन निर्यात पर केंद्रित हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत का दोपहिया क्षेत्र ही अपने उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक निर्यात करता है, जो वैश्विक स्तषर पर देश की बढ़ती वाहन उपस्थिति दर्ज कर रहा है।

भारत ने पहले ही हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर दिए

केंद्रीय परिवहन मंत्री ने स्वच्छ परिवहन के मुद्दे पर इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और वैकल्पिक ईंधनों में भारत की अग्रणी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले ही हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर दिए हैं और दस मार्गों पर पायलट परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंतने कहा कि हमारा लक्ष्य हरित परिवहन में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करना है।

उन्होंने आगे कहा कि टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड, रिलायंस और इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों के सहयोग से, सरकार ने हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे को तीव्रता से आगे बढ़ाने के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। उन्होंने आइसोब्यूटानॉल और बायो-बिटुमेन जैसे नए ईंधन विकल्पों की प्रगति का भी उल्लेख किया, जिनका अभी सक्रिय परीक्षण चल रहा है।

भारत में अब विश्वन का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क मौजूद

गडकरी ने कहा कि भारत के सड़क बुनियादी ढांचे में भी परिवर्तनकारी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि भारत में अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क मौजूद है। इससे यात्रा समय में काफ़ी कमी आई है। उदाहरण के लिए पानीपत से दिल्ली हवाई अड्डे तक पहुंचने में अब तीन घंटे की बजाय सिर्फ़ 35 मिनट लगते हैं। उन्होंने कहा कि चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे और 23,000 करोड़ रुपये की लागत से बेंगलुरु रिंग रोड जैसी प्रमुख परियोजनाएं सड़क सम्प र्क को पुन: परिभाषित करेंगी और शहरी भीड़भाड़ को काफी कम कर देंगी।

हम कचरे को संपदा में बदल रहे हैं

गडकरी ने कहा कि हम कचरे को संपदा में बदल रहे हैं और इस सिलसिले में गाजीपुर लैंडफिल से 80 लाख टन से अधिक मात्रा में कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई पहले ही सात मीटर कम हो गई है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने चावल के भूसे से बने बायो-बिटुमेन के सफल परीक्षणों का उल्ले ख किया, जिसने पेट्रोलियम-आधारित बिटुमेन से बेहतर परिणाम मिले है और पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं सीमित करने में सहायता मिली है।

इसके अलावा, गडकरी ने कारखाने में निर्मित कंक्रीट हिस्से के सड़क निर्माण में इस्तेमाल (प्रीकास्टर रोड़ कनस्ट्र क्शमन), सुरंग निर्माण इंजीनियरिंग, हाइड्रोजन परिवहन प्रणाली और चक्रीय अर्थव्यवस्था (उत्पादों और सामग्रियों का लंबे समय तक उपयोग, दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और नवीनीकृत तथा पुनर्चक्रण) समाधानों सहित प्रमुख नवाचार क्षेत्रों में वैश्विक साझेदारी का भी आह्वान किया।

हम भारत को दुनिया की फूड बास्केट बनाएंगे- शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश में खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं होगी और भारत दुनिया की फूड बास्केट बन जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन – रबी अभियान 2025' में बोलते हुए चौहान ने कहा कि देश में कृषि 3.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे अधिक है और इसका श्रेय हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को जाता है।

केंद्र और राज्य एकजुट हैं

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य एकजुट हैं और हमारे राष्ट्र, हमारे लोगों और हमारे किसानों के लिए, हम पूरी ताकत से मिलकर काम करते रहेंगे क्योंकि उनका कल्याण सर्वोपरि है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी मिली है। हम साधारण लोग नहीं हैं। हम वो लोग हैं जो देश की आधी आबादी का भाग्य गढ़ते हैं। हमें पूरी लगन से काम करना होगा। हमारी असली चिंता किसान और उनका उत्थान है।"

हम किसानों का शोषण नहीं होने देंगे

कृषि मंत्री ने आगे कहा कि अब केवल सभी मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले बायो-स्टिमुलैंट्स (पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाले) ही बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने आगे कहा, "हम किसानों का शोषण नहीं होने देंगे। कृषि विस्तार कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार के साथ मिलकर सभी राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सभी संबंधित संगठनों को ठोस कार्यक्रम और रणनीति तैयार करनी चाहिए और जमीनी स्तर पर तेजी से काम करना चाहिए। अधिकारियों को अपने काम में मूल्यवर्धन करना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि मौसम का अब पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जाना चाहिए और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' फिर से चलाया जाएगा

चौहान ने आगे कहा, "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सके। अक्टूबर में केंद्र और राज्यों की संयुक्त भागीदारी से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' फिर से चलाया जाएगा। अब कृषि अनुसंधान को केवल शोधपत्र प्रकाशित करने पर नहीं, बल्कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित होना चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, पूरे प्रशासन को राहत पहुंचाने के लिए तेजी से काम करना चाहिए।"

भारत ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के साथ किया समझौता

- युवाओं को वैश्विक रोजगार अवसरों से जोड़ने की बड़ी पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के बीच 'अंतरराष्ट्रीय संदर्भ व्यवसाय वर्गीकरण' विकसित करने के लिए आज मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता स्विट्जरलैंड के जिनेवा में भारत के राजदूत अरिंदम बागची और ILO के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. होंगबो द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। इस समझौते का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक रोजगार के अवसर दिलाना और भारतीय श्रमिकों को अंतरराष्ट्रीय श्रम बाजार में सहजता से जोड़ना है। आज कई देशों को जनसंख्या असंतुलन और डिजिटलीकरण के कारण कुशल श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान 2023 में नेताओं ने इस समस्या के समाधान के लिए कौशल आधारित नियमित प्रवासन मार्गों को बढ़ावा देने पर सहमति जताई थी। इसी कड़ी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय वर्गीकरण तैयार करने का निर्णय लिया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत और ILO की साझेदारी तेजी से बदलते समय में काम के भविष्य को आकार देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि यह वर्गीकरण डेटा की तुलना को आसान बनाएगा और कौशल की पारस्परिक मान्यता को बढ़ावा देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर घोषित प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का उल्लेख किया और कहा कि इसका लक्ष्य अगले दो वर्षों में औपचारिक क्षेत्र में 3.5 करोड़ नौकरियां सृजित करना है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सामाजिक सुरक्षा के दायरे का भी विस्तार होगा।

मांडविया ने यह भी कहा कि भारत श्रम बाजार की दक्षता और श्रमिक कल्याण बढ़ाने के लिए डिजिटल नवाचार का उपयोग कर रहा है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भारत ने दो डिजिटल पब्लिक गुड्स राष्ट्रीय करियर सेवा (NCS) पोर्टल और ई-श्रम पोर्टल प्रस्तुत किए, जिनसे अन्य देशों को भी सीखने और अपनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने ILO के सहयोग से इन डिजिटल पहलों पर विशेष सत्र आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा।

वहीं आईएलओ के महानिदेशक होंगबो ने कहा कि यह समझौता दुनिया के कई देशों के लिए दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने भारत की श्रम गतिशीलता और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में की जा रही अच्छी पहल की सराहना की। इस अवसर पर श्रम और रोजगार सचिव वंदना गुर्नानी ने कहा कि यह समझौता हरे, डिजिटल और देखभाल क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यवहार्यता अध्ययन और पायलट अभ्यास का ढांचा प्रदान करता है। यह भविष्य में व्यापक सहयोग का अवसर खोलेगा, जिससे वैश्विक कार्यबल को लाभ मिलेगा।

मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने राजघाट पर गांधीजी को श्रद्धांजलि की अर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को अपनी आठ दिवसीय भारत यात्रा के समापन चरण में राष्ट्रीय राजधानी स्थित राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने गांधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। रामगुलाम नई दिल्ली में अपनी आधिकारिक यात्रा समाप्त करने से पहले नए संसद भवन का दौरा करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे।

इसके अलावा मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने आज मंगलवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और मॉरीशस के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की।

9 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे थे मॉरीशस के पीएम

ज्ञात हो, रामगुलाम 9 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे थे, जहां रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। अपनी यात्रा के दौरान, रामगुलाम ने ब्रह्मऋषि आश्रम में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां पूज्य सिद्धगुरु सिदेश्वर ब्रह्मेदस्वी गुरुदेव स्वामी ने उनका स्वागत किया। स्वामी ने रामगुलाम के नेतृत्व और सादगी की प्रशंसा करते हुए उन्हें "मॉरीशस का संस्थापक" और "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी" जैसा बताया। उन्होंने मॉरीशस में शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के लिए 100 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा भी की।

भारत-मॉरीशस संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद

स्वागत समारोह में रामगुलाम ने अपनी यात्रा के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "पिछले साल सितंबर में कुछ लोग मेरे घर आए थे। मुझे बताया गया कि स्वामी भारत से आए हैं और मुझे उनसे मिलना चाहिए, उनसे मिलना महत्वपूर्ण है। मैंने कहा था कि मैं भारत आऊंगा, और अब मैं यहां हूं।" 9 से 16 सितंबर तक की इस यात्रा में रामगुलाम ने कई राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जिससे भारत-मॉरीशस संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उत्तराखंड में भारी बारिश के बाद देहरादून के जलमग्न संस्थान से 200 छात्रों को बचाया गया

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड में देहरादून के पौंधा क्षेत्र में स्थित देवभूमि संस्थान परिसर में रात भर हुई भारी बारिश के बाद जलभराव हो जाने के बाद फंसे कुल 200 छात्रों को आपदा प्रतिक्रिया कर्मियों ने आज मंगलवार को बचाया। मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के कई स्थानों से सड़कों, घरों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबरें हैं।

संस्थान में 200 छात्रों के फंसे होने की सूचना मिलने के बाद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) कोर की बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। एसडीआरएफ ने कहा, "टीम मौके पर पहुंची और त्वरित बचाव अभियान चलाया। जलभराव के बीच, टीम ने अत्यंत विवेक और तत्परता से काम किया और सभी 200 छात्रों को सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।"

वहीं, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मंगलवार को भारी बारिश से प्रभावित देहरादून के सहस्त्रधारा, रायपुर और अन्य इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने केसरवाला, मालदेवता क्षेत्र का भी निरीक्षण किया, जहां देहरादून जिले के सहस्त्रधारा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण पानी के तेज बहाव के कारण रायपुर के मालदेवता में 100 मीटर लंबी सड़क बह गई थी।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए धामी ने कहा, "घरों और सरकारी संपत्तियों को काफी नुकसान हुआ है। आजीविका प्रभावित हुई है। हम चीजों को पटरी पर लाने के लिए काम कर रहे हैं। कई जगहों पर संपर्क बाधित हुआ है। नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। हमारे सभी विभाग युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सुबह मुझसे बात की और पूरी जानकारी ली। उन्होंने हमें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। हम इस आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए काम कर रहे हैं।"

सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं और व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहे हैं। देहरादून में आज तड़के से ही मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सहस्त्रधारा नदी उफान पर आ गई है। तेज़ पानी के कारण मलबा मुख्य बाज़ार में घुस गया, जिससे कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से सहस्त्रधारा रोड पर स्थित दुकानें और होटल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मलबा मुख्य बाज़ार में आ गया जिससे होटलों और दुकानों को नुकसान पहुंचा।

राज्यपाल बागडे से लद्दाख के उपराज्यपाल की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन में लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल से उनकी यह मुलाकात औपचारिक रही, जिसमें दोनों ने आपसी सहयोग और प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे ने उपराज्यपाल गुप्ता का स्वागत किया और लद्दाख के विकास कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, उपराज्यपाल ने भी राजस्थान और लद्दाख के बीच आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने की बात कही।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सोशल मीडिया की लत के खतरे से बचने की ज़रूरत

आज के दौर में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने इंसान को पूरी दुनिया से जोड़ दिया है। खबरें, मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार और संवाद – सब कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए आसानी से उपलब्ध है। लेकिन जहां इसका इस्तेमाल इंसान के लिए सुविधाएं लेकर आया है, वहीं इसकी अति खतरनाक साबित हो रही है। पिछले कुछ सालों से लगातार चेतावनी दी जा रही है कि सोशल मीडिया की लत मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। खासकर बच्चे और युवा इसके शिकार ज़्यादा हो रहे हैं। सोशल मीडिया की लत धीरे-धीरे इस कदर हावी हो जाती है कि व्यक्ति वास्तविक जीवन से कटने लगता है। घर-परिवार और रिश्तों की अहमियत कम हो जाती है और आभासी दुनिया ज़िंदगी पर हावी हो जाती है। पीजीआई चंडीगढ़ ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया की लत को एक बीमारी मानकर उसके उपचार की गाइडलाइन बनाने की तैयारी की है। यह कदम समय की मांग भी है, क्योंकि मोबाइल और डिजिटल उपकरणों पर लगातार चिपके रहना अब सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन चुका है। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि सोशल मीडिया का अंधाधुंध इस्तेमाल मानसिक परेशानियों को जन्म दे रहा है। नई पीढ़ी में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (एंग्जायटी) और अकेलेपन जैसी समस्याएं तेज़ी से बढ़ रही हैं। बच्चे और युवा दिन-रात मोबाइल पर स्क्रॉलिंग करते रहते हैं, देर रात तक जागते हैं और नींद पूरी नहीं कर पाते। इसका असर उनकी पढ़ाई, कामकाज और जीवनशैली पर साफ दिखाई देता है। कई बार यह लत इतनी गहरी हो जाती है कि व्यक्ति का ध्यान वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों से हटकर केवल लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स पर केंद्रित हो जाता है। सोशल मीडिया पर मिलने वाली त्वरित संतुष्टि यानी 'इंस्टेंट ग्रैटिफिकेशन' मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। धीरे-धीरे दिमाग को वही आनंद सोशल मीडिया से चाहिए होता है और व्यक्ति घंटों मोबाइल में डूबा रहता है। यह लत शारीरिक स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाती है। आंखों की रोशनी पर असर, सिरदर्द, गर्दन और कमर का दर्द, नींद की कमी और मोटापे जैसी समस्याएं इसके कारण बढ़ रही हैं। खासकर बच्चों में यह असर और भी गंभीर हो सकता है क्योंकि उनका शरीर और दिमाग विकास की अवस्था में होता है। एक और बड़ा खतरा यह है कि सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं को आभासी सफलता की ओर खींचता है। उन्हें असली जिंदगी के संघर्षों से भागकर फर्जी दिखावे की दुनिया में जीने की आदत पड़ जाती है। इससे आत्मविश्वास टूटता है और वे वास्तविकता से सामना करने से डरने लगते हैं। कई बार ट्रोलिंग, साइबर बुलिंग और तुलना की भावना भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को तोड़ देती है। ऐसे माहौल में पीजीआई की ओर से गाइडलाइन तैयार करने की पहल काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

"मस्तिष्क बनाम मशीन: डिजिटल अंतरंगता और सुरक्षित दीवार का भ्रम"

-"क्या ऑनलाइन चैट सचमुच सुरक्षित है?"

मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों में अपने वातावरण, समाज और रिश्तों के आधार पर सोचना, समझना और संवाद करना सीखा। हमारे मस्तिष्क ने धीरे-धीरे उन परिस्थितियों के अनुरूप अपनी संरचना और कार्य-प्रणाली को ढाला, जिनमें प्रत्यक्ष अनुभव, आँखों से देखना, और आमने-सामने की सामाजिक बातचीत मुख्य साधन हुआ करते थे। किंतु बीते मात्र तीन दशकों में, इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों ने हमारे जीवन को जिस तेजी से बदल दिया है, वह हमारे मस्तिष्क की विकास यात्रा के मुकाबले बिजली की गति से हुआ है। आज लोग अक्सर मान लेते हैं कि जो कुछ वे किसी ऐप, चैट या वीडियो कॉल में साझा कर रहे हैं, वह मानो बंद कमरे की तरह सुरक्षित है। उन्हें लगता है कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर साझा की गई अंतरंगता, उसी तरह निजी और गुप्त रहेगी जैसे किसी कमरे की चार दीवारों में कही या की गई बातें। यही भ्रम खतरनाक है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में कोई भी दीवार पूर्णत: सुरक्षित नहीं है। डेटा चोरी, हैकिंग, स्क्रीनशॉट, क्लाउड स्टोरेज और एल्गोरिथ्मिक निगरानी जैसी चीज़ें इस 'सुरक्षित दीवार' को महज़ एक आभासी परदा बना देती हैं। इस लेख में हम समझेंगे कि मस्तिष्क और मशीन के बीच यह असमानता कैसे उत्पन्न होती है, क्यों मानव मस्तिष्क डिजिटल दुनिया की वास्तविकताओं को पहचानने में असफल हो जाता है, और इस भ्रम से निजता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंध किस हद तक प्रभावित होते हैं।

विकासवादी मस्तिष्क और डिजिटल असमानता

मानव मस्तिष्क की संरचना हजारों वर्षों के विकास का परिणाम है। प्राचीन काल में जीवित रहने के लिए संवेदनाओं की तीक्ष्णता आवश्यक थी—जैसे खतरे को सूंघना, आवाज़ पहचानना या चेहरे की अभिव्यक्तियों को पढ़ना। हमारे पूर्वजों ने शिकार, भोजन संग्रह और छोटे-छोटे समूहों में रहते हुए आपसी भरोसे और आमने-सामने संवाद पर अपनी सामाजिकता विकसित की। मस्तिष्क ने एक तरह से यह मान लिया कि जो दिख रहा है, छूने-सुनने में आ रहा है, वही वास्तविक है। लेकिन जब इंटरनेट आया, तो उसने एक बिल्कुल नया परिदृश्य प्रस्तुत किया—बातचीत बिना आमने-सामने देखे होती है। भावनाओं की जगह इमोज़ी, स्टिकर और डिजिटल प्रतीकों ने ले ली। सुरक्षित जगह का अनुभव स्क्रीन और पासवर्ड से बनने लगा। यही कारण है कि मस्तिष्क डिजिटल संवाद को उसी भरोसेमंद रूप में देखने लगता है, जैसे कि हम किसी मित्र से कमरे में अकेले बैठकर बात कर रहे हों। जबकि हक़ीक़त बिल्कुल उलटी है—डिजिटल परदे के पीछे हजारों आँखें हो सकती हैं।

डिजिटल संस्कृति और निजता का मिथक

सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स ने यह भ्रम और गहरा कर दिया है कि हम 'निजी' तौर पर बात कर रहे हैं। किसी व्हाट्सऐप चैट पर "एंड टू एंड एन्क्रिप्शन" लिखा देखकर हम मान लेते हैं कि संदेश सुरक्षित है। इंस्टाग्राम या स्नैपचैट पर 'वैनिशिंग मोड' देखकर हमें लगता है कि बातें तुरंत मिट जाएंगी। गूगल ड्राइव या आईक्लाउड पर बैकअप रखने को हम 'सुरक्षित तिजोरी' समझ लेते हैं।

लेकिन हकीकत यह है कि—कोई भी संदेश स्क्रीनशॉट होकर साझा हो सकता है। क्लाउड पर डेटा कई सर्वर से होकर गुजरता है, और तकनीकी खामी या हैकिंग से लीक हो सकता है। कंपनियां खुद हमारे डेटा का उपयोग विज्ञापनों और एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में करती हैं। इसलिए डिजिटल दुनिया की "सुरक्षित दीवार" वास्तव में एक झूठा अहसास है। यह वह जगह है जहां भरोसा तकनीक पर टिका है, न कि रिश्तों की नैसर्गिक मजबूती पर।

मस्तिष्क का भ्रम: वास्तविक और आभासी का संघर्ष

फिर्थ, फ्रोम और उनके साथियों का शोध (2019, World Psychiatry) बताता है कि इंटरनेट ने हमारे कॉग्निशन यानी सोचने और समझने की प्रक्रिया को गहराई से बदल दिया है। हमारा मस्तिष्क अब "ऑनलाइन और ऑफलाइन" जीवन को अलग नहीं कर पा रहा। हमें लगता है कि डिजिटल संवाद भी उतना ही निजी है जितना वास्तविक संवाद। दिमाग सुरक्षित दीवार की कल्पना करता है, क्योंकि विकासवादी दृष्टि से उसे किसी न दिखने वाली निगरानी का अनुभव नहीं है। यानी मस्तिष्क की विकास यात्रा और मशीन की डिजिटल छलांग के बीच गंभीर असंतुलन है।

डिजिटल अंतरंगता: नए खतरे

आजकल जोड़े, दोस्त और यहां तक कि परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे के साथ गहरी अंतरंगता डिजिटल माध्यमों से साझा करते हैं। पर इसके खतरे अनेक हैं—डेटा लीक और बदनाम करने की घटनाएं हाल के वर्षों में कई मामले सामने आए जहां प्रेमी-प्रेमिका के बीच साझा किए गए निजी वीडियो या फोटो पब्लिक कर दिए गए। यह घटना व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों को तोड़ देती है।

भावनात्मक शोषण

पार्टनर कभी-कभी चैट या फोटो को ब्लैकमेल का हथियार बना लेते हैं। इस कारण व्यक्ति असुरक्षित और तनावग्रस्त हो जाता है।

कानूनी और सामाजिक परिणाम: भारत सहित कई देशों में अश्लील सामग्री के प्रसार पर सख्त कानून हैं। मगर जब तक केस दर्ज होता है, तब तक व्यक्ति की छवि समाज में धूमिल हो जाती है। मशीन की स्मृति बनाम इंसान की भूलने की क्षमता इंसान अक्सर बातें भूल जाता है, लेकिन मशीन कुछ नहीं भूलती। जो कंटेंट इंटरनेट पर एक बार गया, वह किसी-न-किसी सर्वर, बैकअप या कैश मेमोरी में हमेशा मौजूद रह सकता है।

मनोवैज्ञानिक असर

डिजिटल अंतरंगता और उसका सार्वजनिक होना मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। आत्मग्लानि और अवसाद: व्यक्ति खुद को दोष देने लगता है। भय और अविश्वास: लोग रिश्तों में खुलकर बात करने से डरने लगते हैं। सामाजिक दूरी: शर्मिंदगी के कारण समाज से कटने लगते हैं। आत्महत्या तक की प्रवृत्ति: कई मामलों में युवाओं ने बदनामी के डर से जान तक दे दी।

सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ भारतीय समाज में, जहां पारिवारिक और सामाजिक प्रतिष्ठा का विशेष महत्व है, वहां डिजिटल अंतरंगता के उजागर होने का असर और भी गहरा होता है। लड़कियों और महिलाओं को ज़्यादा दोष झेलना पड़ता है। परिवार का दबाव और सामाजिक ताने, व्यक्ति को मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। जबकि पश्चिमी समाजों में भी निजता का उल्लंघन गंभीर मुद्दा है, लेकिन वहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर इसका प्रभाव कुछ अलग तरह का होता है।

निजता बनाम मशीन: कानून और तकनीकी समाधान

कानूनी सुरक्षा: भारत में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (IT Act) और हाल ही में आए डिजिटल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम में निजता की रक्षा के प्रावधान हैं। साइबर क्राइम सेल ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई करती है।

तकनीकी कदम: टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और सुरक्षित पासवर्ड का इस्तेमाल। संवेदनशील डेटा को क्लाउड पर स्टोर न करना। किसी भी ऐप को 'कैमरा' और 'माइक्रोफोन' की अनावश्यक परमिशन न देना।

सामाजिक जागरूकता: स्कूलों और कॉलेजों में साइबर सेफ्टी की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। समाज को यह समझाना ज़रूरी है कि डिजिटल दुनिया में "प्राइवेट" कुछ भी नहीं है।

मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने की जरूरत

जैसे हम बच्चों को सड़क पार करने का शिष्टाचार सिखाते हैं, वैसे ही डिजिटल दुनिया में भी सावधान रहना सिखाना होगा। मस्तिष्क को यह समझाना कि "डिजिटल कमरे की दीवारें पारदर्शी हैं।" अंतरंगता का आदान-प्रदान केवल वहीं करना चाहिए जहां भरोसा वास्तविक और प्रत्यक्ष हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा की गई चीज़ को हमेशा "पब्लिक" मानकर सोचना चाहिए।

समाधान और भविष्य की दिशा

डिजिटल साक्षरता अभियान: सरकार और गैर-सरकारी संगठन लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति शिक्षित करें।

मानसिक स्वास्थ्य सहायता: जिन लोगों की अंतरंगता उजागर हुई है, उनके लिए काउंसलिंग और थेरेपी उपलब्ध कराना।

तकनीकी पारदर्शिता: कंपनियों को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उनका डेटा कहाँ और कैसे इस्तेमाल हो रहा है।

सामाजिक सहानुभूति: समाज को दोष देने के बजाय पीड़ितों को सहारा और सुरक्षा देनी चाहिए।

डिजिटल दुनिया में अंतरंगता की सुरक्षित दीवार महज़ एक भ्रम है। यह भ्रम इसलिए गहरा है क्योंकि मानव मस्तिष्क अभी भी विकासवादी दृष्टि से उस दुनिया के लिए तैयार नहीं है जहां अदृश्य कैमरे, सर्वर और एल्गोरिद्म हर समय हमारी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहे हैं। मानव मस्तिष्क हजारों वर्षों में ऐसे वातावरण में विकसित हुआ है, जहां सुरक्षा और निजता का अर्थ था चार दीवारों के भीतर सीमित बातचीत। लेकिन आज की डिजिटल दुनिया में यही मस्तिष्क भ्रमित हो जाता है। हमें लगता है कि चैट, कॉल या सोशल मीडिया पर साझा की गई बातें सुरक्षित हैं, मानो किसी बंद कमरे में कही गई हों। जबकि हकीकत यह है कि इंटरनेट पर साझा की गई कोई भी चीज़ पूर्ण रूप से निजी नहीं रहती। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अंतरंग संबंधों और निजी क्षणों को साझा करने के कई मामले सार्वजनिक होकर सामने आए हैं।

भारत-नेपाल संबंध: साझा इतिहास, संस्कृति और कूटनीति की नई चुनौतियाँ

-भारत-नेपाल संबंध: पड़ोसी से बढ़कर साझी विरासत

भारत और नेपाल के संबंध केवल पड़ोसी होने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा इतिहास, सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था और भौगोलिक नियति से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन संबंधों की नींव सदियों पहले रखी गई थी और आज भी दोनों देशों की जनता के बीच मौजूद आत्मीयता इन्हें सामान्य पड़ोसियों से कहीं आगे ले जाती है। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति में नेपाल को हमेशा विशेष महत्त्व दिया गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत और नेपाल का रिश्ता प्राचीन काल से ही गहरा रहा है। रामायण में वर्णित जनकपुर को माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है, जहाँ से अयोध्या का रिश्ता सीधे जुड़ता है। वहीं लुम्बिनी भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है, जो भारत के बौद्ध धरोहरों से नेपाल को जोड़ती है। सुगौली संधि (1816): नेपाल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच यह संधि हुई थी, जिसने नेपाल की वर्तमान सीमाओं को तय किया। इस संधि के बाद नेपाल ने बड़े भूभाग खो दिए, परंतु भारत के साथ इसके रिश्ते बने रहे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सहयोग: भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कई नेपाली भी शामिल रहे और 1947 के बाद दोनों देशों ने लोकतांत्रिक भविष्य की साझा आकांक्षा जताई।

भौगोलिक और सामाजिक जुड़ाव

भारत और नेपाल की लगभग 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से जुड़ती है। यह सीमा न केवल व्यापार और आवाजाही को सरल बनाती है बल्कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों को भी मज़बूत करती है। सीमा पर रहने वाले लोग बिना वीज़ा और पासपोर्ट के आ-जा सकते हैं। बड़ी संख्या में नेपाली नागरिक भारत में काम करते हैं, वहीं भारतीय भी नेपाल में व्यापार और सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं। भारत में रहने वाले लाखों नेपाली नागरिक अपने देश से गहरा रिश्ता बनाए रखते हैं।

सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्ते

भारत-नेपाल संबंधों की असली ताकत इनके सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव में छिपी है। जनकपुर और अयोध्या का रिश्ता राम-सीता विवाह के माध्यम से। लुम्बिनी (नेपाल) और बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर (भारत) का बौद्ध धरोहर से जुड़ा आध्यात्मिक संबंध। पशुपतिनाथ मंदिर (काठमांडू) और काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी) का धार्मिक सामंजस्य। भारत और नेपाल के त्यौहार, भाषा और रीति-रिवाज़ भी काफी हद तक मिलते-जुलते हैं।

आर्थिक संबंध

भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और निवेशक है। नेपाल के कुल व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। नेपाल को पेट्रोलियम, दवाइयाँ, अनाज, मशीनरी आदि भारत से मिलते हैं। नेपाल से भारत में मुख्य रूप से खाद्य तेल, साबुन, कागज और कृषि उत्पाद आते हैं। जलविद्त क्षेत्र: नेपाल की नदियाँ भारत को ऊर्जा और सिंचाई के अवसर प्रदान कर सकती हैं। कई परियोजनाएँ भारत-नेपाल मिलकर चला रहे हैं।

राजनीतिक और कूटनीतिक पहलू

नेपाल में बार-बार सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए चिंता का विषय रही है। नेपाल के भीतर कई बार चीन की ओर झुकाव देखा गया है। 2015 के भारत-नेपाल सीमा विवाद और नाकेबंदी ने रिश्तों में तनाव पैदा किया। 2020 के नक्शा विवाद (लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र) ने भी आपसी विश्वास को चुनौती दी। फिर भी, भारत ने हमेशा नेपाल को मित्रवत पड़ोसी मानते हुए उसकी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का समर्थन किया है।

सुरक्षा और सामरिक पहलू

नेपाल की अस्थिरता का सीधा असर भारत की उत्तरी सीमाओं पर पड़ सकता है। भारत के लिए नेपाल सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि चीन की सीमा से इसका सीधा जुड़ाव है। नेपाल की भूमि का इस्तेमाल किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों के लिए न हो, यह भारत की सबसे बड़ी चिंता रहती है। गोरखा रेजीमेंट: भारतीय सेना में बड़ी संख्या में नेपाली गोरखा सैनिक सेवा दे रहे हैं, जो दोनों देशों की सुरक्षा साझेदारी का मजबूत उदाहरण है।

चीन का प्रभाव और भारत की चुनौतियाँ

पिछले वर्षों में नेपाल ने चीन से भी नज़दीकी बढ़ाई है। चीन नेपाल को बुनियादी ढाँचा, निवेश और व्यापार के अवसर दे रहा है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) में नेपाल की भागीदारी भारत के लिए चुनौती है। चीन ने कई बार नेपाल में भारत विरोधी भावनाओं को हवा देने की कोशिश की है। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह नेपाल को अपने पारंपरिक रिश्तों के आधार पर विश्वास दिलाए और चीन के प्रभाव को संतुलित करे।

मानवीय और सामाजिक सहयोग

भारत ने नेपाल में आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। 2015 के भीषण भूकंप के दौरान भारत ने "ऑपरेशन मित्र" के तहत नेपाल को तुरंत मदद पहुँचाई। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार के क्षेत्रों में भारत द्वारा कई परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं। भारत की कई छात्रवृत्तियाँ और मेडिकल सहायता कार्यक्रम नेपाल के युवाओं और नागरिकों के लिए लाभकारी साबित हुए हैं।

आगे की राह

भारत और नेपाल के रिश्ते गहरे हैं लेकिन उन्हें और मज़बूत बनाने के लिए कुछ बिंदुओं पर ध्यान देना होगा: सीमा विवादों का समाधान – बातचीत और सहमति से। आर्थिक साझेदारी का विस्तार – नेपाल को जलविद्त और पर्यटन में सहयोग। जन-जन के रिश्तों को प्राथमिकता – शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य में साझा कार्यक्रम। चीन के प्रभाव को संतुलित करना – सकारात्मक कूटनीति से। लोकतांत्रिक सहयोग – नेपाल की राजनीतिक स्थिरता में सहयोग देना। भारत-नेपाल संबंध केवल भौगोलिक पड़ोस तक सीमित नहीं हैं। वे एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते की मिसाल हैं। नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरण भारत के लिए चुनौती हैं, लेकिन साझा इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर इन रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत है। भारत को चाहिए कि वह अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति को धरातल पर उतारते हुए नेपाल में विकास, लोकतंत्र और स्थिरता का साझीदार बने।

स्वच्छ वायु आंदोलन: जीवन और अर्थव्यवस्था की जरूरत

-वायु प्रदूषण: सबको निभानी होगी अपनी जिम्मेदारी

वायु हमारे जीवन का आधार है। बिना भोजन के कोई कई दिन और बिना पानी के कुछ दिन जीवित रह सकता है, लेकिन बिना हवा के इंसान कुछ मिनट से अधिक सांस नहीं ले सकता। जब यही हवा प्रदूषित हो जाती है तो जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती है। आज वायु प्रदूषण केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती के रूप में खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े बताते हैं कि हर साल 81 लाख से अधिक लोग समय से पहले मौत का शिकार बन रहे हैं और इसका सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है।

वायु प्रदूषण की स्थिति

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का कहना है कि वायु प्रदूषण दुनिया में मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। 5 साल से छोटे बच्चों में अस्वच्छ वायु मौत का प्रमुख कारण है। फेफड़े, दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियां सबसे तेजी से बढ़ रही हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में तो यह समस्या और गंभीर है क्योंकि यहां जनसंख्या अधिक है और संसाधन सीमित।

वायु प्रदूषण के प्रमुख कारण

औद्योगिक धुआं – फैक्ट्रियों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाला धुआं हवा में मिलकर जहरीला वातावरण बनाता है। वाहन प्रदूषण – पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों का उत्सर्जन करते हैं। निर्माण कार्य – सीमेंट, कंक्रीट, धूल और मलबा हवा में मिलकर प्रदूषण बढ़ाते हैं। कचरे का खुले में जलना – पॉलीथिन, प्लास्टिक और गीला कचरा जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं। फसल अवशेष जलाना – पंजाब, हरियाणा और उत्तर भारत में पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में स्मॉग की स्थिति बनती है। प्राकृतिक कारण – धूलभरी आंधियां, जंगल की आग, ज्वालामुखी आदि भी प्रदूषण को बढ़ाते हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

श्वसन रोग – अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, फेफड़ों का कैंसर। हृदय रोग – हृदयाघात, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक। दिमाग पर असर – स्मृति कमजोर होना, अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा। बच्चों पर असर – जन्म से पहले ही भ्रूण के विकास पर बुरा असर, कम वजन, बार-बार बीमार पड़ना। बुजुर्ग और कमजोर तबके पर असर अधिक गंभीर होता है।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

वायु प्रदूषण का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास पर भी भारी पड़ता है। वैश्विक स्तर पर हर साल लगभग 8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान अस्वच्छ वायु के कारण हो रहा है। यह नुकसान कुल वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का लगभग 6 प्रतिशत है। यह राशि मुख्यत: प्रदूषणजनित रोगों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च होती है। बीमारियों के चलते श्रमिकों की उत्पादकता घटती है, जिससे उद्योग और अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

वैश्विक प्रयास

संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार चेतावनी देते रहे हैं। यूरोप, अमेरिका और जापान जैसे देशों ने सख्त पर्यावरण कानून बनाकर प्रदूषण नियंत्रण में सुधार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और हरित तकनीक का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। पेरिस समझौते के तहत देशों ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने का संकल्प लिया है।

भारत में किए गए प्रयास

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना बड़ी चुनौती है। बावजूद इसके कुछ उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं – राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) – 2019 में शुरू किया गया। इसका लक्ष्य है कि 2024 तक 100 से अधिक शहरों में प्रदूषण स्तर को 20-30% तक कम किया जाए। नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश – भारत ने 2030 तक नवीकरणीय स्रोतों से 40% बिजली उत्पादन का लक्ष्य तय किया था, जिसे उसने पांच साल पहले ही हासिल कर लिया।

वाहन प्रदूषण नियंत्रण –

भारत स्टेज-6 (BS-VI) उत्सर्जन मानक लागू किए गए। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जा रही हैं। पराली समस्या का समाधान – सरकार मशीनरी, कम्पोस्टिंग और वैकल्पिक उपयोग के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। स्वच्छ भारत अभियान – इसमें कचरा प्रबंधन और खुले में जलाने की प्रवृत्ति रोकने पर जोर है। वृक्षारोपण अभियान – कई राज्यों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की योजनाएं।

चुनौतियां

भारत में जनसंख्या घनत्व अधिक है, जिससे प्रदूषण तेजी से बढ़ता है। लोग जागरूक नहीं हैं, और कई बार व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने से बचते हैं। आर्थिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कठिन है। नीतियों का सही और सख्त पालन नहीं हो पाता।

जनता की जिम्मेदारी

सरकार और संस्थाओं के प्रयास तभी सफल होंगे जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाए। निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। कारपूलिंग और साइकिलिंग को बढ़ावा दें। कचरे को खुले में जलाने से बचें। घर में ऊर्जा की बचत करें, जैसे एलईडी बल्ब और सौर ऊर्जा का इस्तेमाल। एक-एक पेड़ लगाना और उसकी देखभाल करना। बच्चों और समाज में जागरूकता फैलाना। वायु प्रदूषण आज जीवन और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह केवल किसी एक सरकार या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक, हर संगठन और हर देश को अपनी भूमिका निभानी होगी। स्वच्छ वायु का अधिकार हर इंसान का है, लेकिन इसके लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। आज समय आ गया है कि हम यह समझें – स्वच्छ हवा विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्यता है। यदि हम अभी भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को सांस लेने के लिए भी साफ हवा नहीं मिलेगी। इसलिए यह आंदोलन केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि जीवन बचाने का आंदोलन है। हर नागरिक, हर संगठन और हर देश को अपनी भूमिका निभानी होगी। स्वच्छ वायु का अधिकार हर इंसान का है, लेकिन इसके लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। आज समय आ गया है कि हम यह समझें – स्वच्छ हवा विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्यता है। यदि हम अभी भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को सांस लेने के लिए भी साफ हवा नहीं मिलेगी।

शेखावाटी की हवेलियों की सुरक्षा एवं रखरखाव के लिए राज्य सरकार तत्पर - भजनलाल शर्मा

- भविष्य में कोई भी हवेली नहीं तोड़ी जाए, जिला कलक्टर करें सुनिश्चित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां प्रदेश की अनमोल एवं अद्वितीय धरोहर हैं। इन धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्द्धन हम सबका सामूहिक दायित्व है। राज्य सरकार इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए इनकी सुरक्षा एवं रखरखाव हेतु हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में शेखावाटी विरासत सरंक्षण संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी दिशा में बजट वर्ष 2025-26 में शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना की घोषणा की गई है। इस योजना में झुंझुनूं, सीकर और चूरू में अब तक 662 ऐतिहासिक हवेलियों को चिन्हित किया गया है। इन हवेलियों को हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट गैलरी, होमस्टे और टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

शेखावाटी क्षेत्र बन रहा पर्यटन में सिरमौर-

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र की धरती अपने आप में कला, संस्कृति और आस्था का अद्वितीय संगम है। ऐसे में शेखावाटी क्षेत्र आज पर्यटन में सिरमौर बन रहा है। इस वर्ष के छह माह में शेखावाटी के तीन जिलों सीकर, झुंझुनूं और चूरू में लगभग एक करोड़ 90 लाख देशी पर्यटक और 33 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक आए। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दे रही है। इसी तरह खाटूश्यामजी मंदिर एवं सालासर बालाजी मंदिर को धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों को कुल 30 हेरिटेज प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। ये प्रमाणपत्र हवेलियों को संरक्षण से जोड़ते हुए उन्हें पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन को लेकर अब तक 58 एमओयू हुए हैं। इनसे इस क्षेत्र में निवेश के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सभी एमओयू को समय पर धरातल पर उतारने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही कोलकाता, हैदराबाद, सूरत आदि शहरों में राइजिंग राजस्थान कॉन्क्लेव के माध्यम से हवेली मालिकों और हितधारकों से संवाद करने जा रहे हैं।

विरासत संरक्षण के लिए स्थानीय व विशेषज्ञ लोग आएं आगे-

शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों द्वारा कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत प्रदेश में जल संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। ऐसे में विरासत के संरक्षण के लिए स्थानीय, विशेषज्ञ एवं अनुभवी लोग आगे आएं। विरासत संरक्षण संवाद की यह पहल सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण, पर्यटन संवर्धन और स्थानीय विकास को एक साथ लेकर चलने का ही प्रयास है।

विरासत के संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए ज्वाइंट कमेटी होगी गठित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी के रामगढ़, नवलगढ़, मंडावा, खेतड़ी, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर और महनसर कस्बों की विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए विभिन्न विभागों की ज्वाइंट कमेटी गठित की जाएगी, जो इन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना एवं पर्यटन विकास के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाकर कार्य करेगी। साथ ही, उन्होंने भविष्य में कोई भी हवेली नहीं तोड़े जाने के संबंध में जिला कलक्टर्स को निर्देशित करने के लिए कहा।

इससे पहले कार्यक्रम में हवेली मालिक, टूर ऑपरेटर एवं संरक्षणविद सहित अन्य हितधारकों ने शेखावाटी हवेलियों के इतिहास, पर्यटन की संभावनाओं, रोजगार सृजन, विरासत संरक्षण, आधारभूत सुविधाओं के विकास सहित अन्य विषयों पर सुझाव दिए। इस अवसर पर पर्यटन विभाग एवं स्वायत्त शासन विभाग ने शेखावटी क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणा की अनुपालना में शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण की दिशा में तेजी से कार्य कर ही है। इसी दिशा में पर्यटन विभाग ने संरक्षणविदों के पैनल भी बनाएं हैं तथा धरोहर के मूल स्वरूप के संबंध में बाइ लॉज को प्रभावी रूप से लागू करवाया जा रहा है।

'सुरताल कला महोत्सव' का भव्य आयोजन

-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया शुभारंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जवाहर कला केंद्र और अंजना वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सुरताल कला महोत्सव' का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दीप प्रज्वलन कर किया और जेकेके में लगाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक मंच न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को कला एवं संस्कृति के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक भी बनाते हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है।

10 दिवसीय कला-संस्कृति उत्सव-

'सुरताल कला महोत्सव' का आयोजन 16 सितम्बर से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है। यह 10 दिवसीय उत्सव कला और संस्कृति का अद्वितीय संगम है, जिसमें कठपुतली एवं थिएटर, नृत्य और संगीत, चित्रकला, कल संवाद एवं संगोष्ठियों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित होंगी।

कला साधकों का सम्मान-

महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान की प्रतिष्ठित कला हस्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इनमें पद्मश्री तिलक गीती, प्रसिद्ध कलाकार युसूफ़ खान सहित अन्य कला साधक शामिल हैं।

युवाओं की भागीदारी पर विशेष फोकस-

महोत्सव की विशेष कार्यशालाएँ सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी आयोजित की जाएँगी, ताकि अधिक से अधिक युवा विद्यार्थी कला और संस्कृति से जुड़ सकें। अंजना वेलफेयर सोसाइटी, जिसकी फाउंडर मेंबर श्रीमती माया कुलश्रेष्ठ हैं, पिछले 13 वर्षों से भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

जापान की प्रगति से सीख लेकर विकसित भारत के लिए कार्य करें- राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम गिराया गया। इसके बावजूद उसने अपने आपको संभाला ही नहीं बहुत तेजी से सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने जापान की प्रगति से सीख लेते हुए युवाओं को राष्ट्र प्रगति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा देश को गुलाम बनाने, गुरुकुल विद्या पद्धति समाप्त कर मैकाले द्वारा अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को लागू करने से हुए नुकसान की चर्चा करते हुए कहा कि देश की नई शिक्षा नीति राष्ट्र को विकास पथ पर आगे ले जाने वाली है। उन्होंने बांसवाड़ा की वीरांगना कालीबाई की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे गौरवमय चरित्रों से सीख लें। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता और अभ्यास से अपने को निखारने पर जोर दिया। उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति के आलोक में नवाचार अपनाते हुए युवाओं को विकसित भारत में भागीदारी किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को इंडिया-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बियानी कॉलेज में ग्लोबल लैंग्वेज लेब का भी शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि युवा भारत की सबसे बड़ी ताकत है। यह शक्ति यदि उच्च शिक्षा से भारत को आगे बढ़ाने में लगे तो वैश्विक सहयोग से राष्ट्र विकास के लिए तेजी से कार्य होगा। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने भाषाओं को दुरूहता को समाप्त कर दिया है। ऐसे समय में वैश्विक भाषा की समझ से जुड़ी ग्लोबल लैंग्वेज लैब जापानी भाषा एवं अन्य विदेशी भाषाओं को सीखना आसान करेगी।

राज्यपाल ने मुंबई में तलपड़े बंधु द्वारा मानवरहित, हवा से भारी विमान का निर्माण करने और इसे मुंबई के चौपाटी बीच के ऊपर उड़ाने की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में हुए इस आविष्कार का श्रेय राइट बंधुओं को मिला। उन्होंने कहा कि गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत भारत की देन है पर इसे न्यूटन का आविष्कार बताया जाता है।उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान से नई पीढ़ी को जोड़े जाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसी से हम अपने स्व को जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व की बड़ी से बड़ी कम्पनियों में अस्सी प्रतिशत से अधिक दक्ष भारतीय मूल के हैं। उन्होंने शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान के अधिकाधिक प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने जापान को अग्रणी देश बताया पर कहा कि वहाँ युवाओं का प्रतिनिधित्व कम है। भारत में अधिक युवा आबादी है। दोनों देशों के बीच शैक्षणिक, पेशेवर और सांस्कृतिक सहयोग से राष्ट्र तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने देश में डिजिटल क्रांति, नीतिगत सुधारों और वैश्विक एकीकरण से शिक्षा और उद्योग क्षेत्र में विकास किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने कहा कि देश में इस समय 1 हजार 362 विश्वविद्यालय है। देश में 2020 में 42 हजार 343 कॉलेज थी जो आज बढ़कर 52 हजार 538 हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकारी के साथ साथ निजी कॉलेज उद्योगों के साथ समन्वय कर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करे।

राजस्थान महिला निधि को एनसीडीसी से मिली ₹3,000 करोड़ की ऋण सुविधा

-ग्रामीण महिलाओं को 1.5% वार्षिक दर पर मिलेगा ऋण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की "राजस्थान महिला निधि" योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना के तहत राजीविका स्वयं सहायता समूहों (SHG) और उनकी सदस्याओं को आसान, सुलभ और त्वरित ऋण दिया जाता है ताकि वे अपना व्यवसाय शुरु या विस्तारित कर सकें और परिवार की आमदनी बढ़ा सकें। योजना की जानकारी देते हुए श्रीमती नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक (SMD), राजीविका, ने बताया कि महिलाएं 40,000 रुपये तक का ऋण मात्र 48 घंटे में प्राप्त कर सकती हैं, जबकि इससे अधिक राशि 15 दिनों में स्वीकृत होती है। यह योजना राजस्थान के सभी 41 जिलों में लागू है और लगभग 4 लाख SHG समूहों व करीब 45 लाख ग्रामीण परिवारों तक पहुँच चुकी है। गरीब, निराश्रित और वंचित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। डिजिटल आवेदन और न्यूनतम कागजी कार्यवाही होने से प्रक्रिया बेहद सरल है।

योजना के विस्तार के लिए राज्य सरकार ने नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) से 3,000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त की है। एनसीडीसी भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक वैधानिक संगठन है। उक्त राशि का चेक प्रदान किये जाने के अवसर पर रोहित गुप्ता, उप प्रबंध निदेशक एनसीडीसी, डॉ. पूजा शर्मा, सीईओ- राजस्थान महिला निधि उपस्थित थे। योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा महिलाओं को ऋण पर ब्याज अनुदान दिया जाएगा जिससे उन्हें केवल 1.5% वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो सकेगा। यह राशि महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम, कृषि, पशुपालन, छोटे कारोबार और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में प्रयुक्त होगी।

कम ब्याज दर महिलाओं को बिना आर्थिक बोझ के व्यवसाय बढ़ाने में मदद करती है। समय पर ऋण से महिला उद्यमिता, आय वृद्धि और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा मिला है। आवेदन से लेकर निगरानी तक सभी प्रक्रियाएँ पूरी तरह ऑनलाइन हैं। सामुदायिक समूह और महिला नेतृत्वकर्ता जागरूकता फैलाने और ऋण अदायगी में सक्रिय हैं।

राजस्थान महिला निधि अब ग्रामीण वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण का राष्ट्रीय मॉडल बन रही है और लाखों परिवारों का भविष्य उज्ज्वल कर रही है। इस अवसर पर सुनील कुमार छापोला, क्षेत्रीय निदेशक एनसीडीसी जयपुर, विकास उपाध्याय, निदेशक सी, आईसी और एससी, सुश्री मीनाक्षी यादव, उप निदेशक सी, आईसी और एससी, शंभू दयाल कुमावत, डीपीएम - राजस्थान महिला निधि भी उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर और बिट्स, पिलानी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर और बिट्स, पिलानी के बीच सोमवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। रुवास, जोबनेर के कुलगुरू डॉ. त्रिभुवन शर्मा और बिट्स, पिलानी के कुलपति प्रो. वी. रामगोपाल राव ने इस पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के तहत् भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बिट्स, पिलानी में स्थापित क्षेत्रीय टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेन्टर और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय नवाचार प्रबंधन और संवर्धन, प्रौद्योगिकी विकास, व्यवसायीकरण क्षमता विकास, कौशल और प्रशिक्षण, संयुक्त कार्यशाला, नेटवर्किंग और आउटरीच, क्लस्टर विकास गतिविधियों आदि में आपसी सहयोग करेंगे। इस अवसर पर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के निदेशक (अनुसंधान) प्रो. बलवन्त नत्थुजी मेश्राम तथा बिट्स, पिलानी के निदेशक प्रो. सुधीरकुमार बरई और रजिस्ट्रार कर्नल (रि.) सोम्यब्रत चक्रवर्ती उपस्थित रहे।

सुरक्षित रहते हुए सावधानी पूर्वक कार्य को अंजाम दे - गर्ग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड की प्रशिक्षण शाखा द्वारा शाहपुरा उपखण्ड की सुरक्षा सम्बन्धी ट्रेनिंग का आयोजन किया। शैरी रिसोर्ट में हुआ इसमे अधिशाषी अभियंता रंजना शर्मा (प्रशिक्षण - ज स), जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता सुरेश चंद्र गर्ग,जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा (एच टी एम) आशीष डंगायच, गौरव सिंह, जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड मनोहरपूर के सहायक अभियंता मनोहर सिंह यादव, अंकित बालोदा, चन्द्र प्रकाश के द्वारा विद्त सुरक्षा सम्बंधित तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर शाहपुरा खण्ड के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता एंव तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत, कनिष्ठ अभियंता रणवीर सिंह यादव, कनिष्ठ अभियंता पंकज सिंह, कनिष्ठ अभियंता (एचटीएम) ओम प्रकाश प्रजापत, कनिष्ठ अभियंता जेन पंकज अग्रवाल राडावास, ड्राइवर राम सिंह आदि उपस्तीथ थे।

पंचायती राज मंत्री ने ली समीक्षा बैठक- रात्रि विश्राम की ली बारीकी से जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज विभाग के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिलावर ने 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले ग्रामीण सेवा शिविर और स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के संबंध में होने वाली गतिविधियों के बारे में निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि इस शिविर के माध्यम से गांवों की साफ सफाई सुनिश्चित और नियमित होनी चाहिए। बैठक में ही मंत्री ने स्वच्छ भारत मिश्रण (ग्रामीण), ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम की स्थिति, समस्याएँ एवं सुधार के प्रस्तावों पर चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने रात्रि विश्राम करने वाले अधिकारियों को ग्रामवासियों से संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याएँ सुनने, एवं उन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने की व्यवस्था करने को कहा गया। साथ ही रिकॉर्डिंग एवं दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर बल दिया गया है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। दिलावर ने गांवों में रोजमर्रा की सफाई सुनिश्चित करने, ग्राम पंचायतों को पूरी तरह स्वच्छ बनाने एवं प्लास्टिक उपयोग को कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण की रिपोर्ट विभागीय पोर्टल पर समयबद्ध रूप से अपलोड करें और रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की करें। बैठक में डॉ. जोगाराम, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग, सुश्री सलोनी खेमका, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), मोहम्मद जुनेद, निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, बृजेश चंदोलिया, अतिरिक्त आयुक्त एवं संयुक्त निदेशक (प्रथम) सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हज़रत गुलाब शाह र.अ. का सालाना उर्स 17 को

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के हज़रत गुलाब शाह र.अ. का सालाना उर्स 17 सितम्बर बुद्धवार को मनाया जा रहा है बुधवार की रात महफ़िल ए समां सुबह 4 बजे कुल कि रस्म अदा की जाएगी। मसनत नशीन हज़रत सुफी रियाजुद्दीन सलीमी क़ादरी चिश्ती अबुल उलाई, मौहल्ला शैखान चार दरवाजा जयपुर ने बताया कि इस उर्स में जयपुर कि मशहूर पार्टी हाजी टिममु गुलफाम एण्ड पार्टी, सुफी असलम अकरम एण्ड पार्टी आदि बाबा की मान मनुहार करेंगे।

नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों को लेकर अहम बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 सितम्बर को प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने शासन सचिवालय में अहम बैठक लेकर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुमार ने कहा कि सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने बांसवाड़ा में वीवीआईपी व अन्य के लिए आवास व्यवस्था, सभा स्थल तक पर आमजन की आवागमन व्यवस्था, चिकित्सक दल व एम्बुलेंस व्यवस्था, निर्बाध विद्त व पेयजल आपूर्ति, चल शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क यात्रा के दौरान आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधाएं नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सड़क मरम्मत, सभा स्थल निर्माण, बैरिकेड्स, अग्निशमन वाहन, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, सुरक्षा पास व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभा स्थल के हर ब्लॉक में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सभा स्थल पर खाद्य परीक्षण दलों की तैनाती, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को आयोजन का जिलों में सीधा प्रसारण कराने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर.ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, शासन सचिव डॉ. के.के. पाठक, रवि जैन, डॉ. जोगाराम, श्रीमती शुचि त्यागी, श्रीमती अर्चना सिंह, आयुक्त पर्यटन श्रीमती रूक्मणि रियार सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, वीसी से उदयपुर संभागीय आयुक्त कुमारी प्रज्ञा केवलरमानी, उदयपुर रेंज महानिरीक्षक पुलिस गौरव श्रीवास्तव, बांसवाड़ा जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव और पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त और बांसवाड़ा कलक्टर ने सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने की बात कही।

जगतपुरा रेलवे फाटक के पास कार्रवाई कर 300 किलो खराब लड्डू नष्ट किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चलाये जा रहे "शुद्ध आहार— मिलावट पर वार" अभियान के अंतर्गत मंगलवार को आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में राजधानी जयपुर में बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन— इंद्रा गांधी नगर के पास गलियों में मकानों में अस्वास्थ्यकर व अस्वच्छ परिस्थितियों में विश्वकर्मा जयंती हेतु तैयार किए जा रहे मोतीचूर के 250 किलो लड् नष्ट करवाए। ये अखाद्य रंग, मैदा,रिफाइंड सोयाबीन तेल, बेसन आदि से बनाए जा रहे थे। यहां निर्मित लड्ओं को 100 रुपए प्रति किलो की दर से आम तौर पर मालवीय नगर, जगतपुरा ,आगरा रोड की मिठाइयों की दुकानों पर बेचा जाता है। इसी तरह जगतपुरा रेलवे फाटक के पास अ स्व ा स्थ्य क र व अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किए जा रहे मोतीचूर के 50 किलो लड् भी नष्ट करवाए गए हैं। इन दोनों स्थानों से खाद्य सामग्री के नमूने भी लिए गए हैं, जिन्हें लैब भिजवाया गया है।

भजनलाल शर्मा के प्रयास से 3200 मेगावाट की कोल आधारित विद्युत उत्पादन परियोजना राजस्थान में होगी स्थापित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री का एक और प्रयास रंग लाया है। केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राज्य में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य में निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय कोयला मंत्रालय से इस परियोजना के लिए कोल लिंकेज का आवंटन का आग्रह किया था। उन्होंने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल के समक्ष इस परियोजना के राज्य में स्थापित होने से अपेक्षित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी लाभों पर पुरजोर तरीके से पक्ष रखा था। मुख्यमंत्री के इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार की अधिकार प्राप्त समिति (एम्पावर्ड कमेटी) ने परियोजना को राजस्थान में ही स्थापित करने का निर्णय किया है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जाकी रही भावना जैसी, प्रभू मूरत देखी तिन तैसी.....

-रिंग डांस ने चैंकाया, लाफ्टर शो ने बांधा समां

बारां (रॉयल पत्रिका)। डोल मेला रंग मंच पर रविवार की रात लेक्स सिटी आर के इवेन्ट आर्केस्ट्रा की शानदान प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे। डोलमेले में अब तक के कार्यक्रमों में यह आयोजन बेहद आकर्षक रहा। गणेश वंदना के बाद राजस्थान फेम गायक कलाकार समीर लाड़ला ने अपने अंदाज में भजनों से कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होने जाकी रही भावना जैसी, प्रभू मूरत देखी तिन तैसी.... मंगल भवन अमंगल हारी..., रामजी की निकली सवारी.... जैसे भजन गाकर दर्शकों को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। एंकर अमित सोनी एवं रईस भाई ने भी पूरी ऊर्जा के साथ मंच संचालन किया। सबसे आकर्षण का केन्द्र रही मुम्बई से आई एंजल शर्मा। जिन्होने इंग्लिश धुन पर एक साथ कई रिंग्स को अपने शरीर में पहनाकर विद्त गति से नृत्य किया। उनके गजब के संतुलन को देखकर दर्शक दांतों तले उंगलिया दबाने पर मजबूर हो गए। एंकर अमित सोनी ने बंदर का पुतला गले मे लेकर लाफ्टर शो प्रस्तुत किया। जिसे दर्शकों ने खूब पंसद किया। इसके अतिरिक्त मुस्कान, रिया, रानू नेहा, खुशी आदि ने सपना चैधरी फेम बन्दक चलगी रे... के साथ कई नई फिल्मो के गीतों पर शानदार चित्रहार पेश कर श्रोताओं को मोहित किया। सधेसधाये कार्यक्रम की प्रस्तुति इतनी बेहतर थी कि महिलाओं की

अपार भीड़ सहित श्रोता रात 2 बजे तक पांडाल में डटे रहे।

किन्नरों ने किया नृत्य-

सर्व विदित है कि कोई भी मांगलिक कार्य हो तो वो किन्नरों के आगमन बिना अधूरा सा लगता है। कल रात्रि स्वप्रेरित होकर किन्नर समाज के लोग मंच पर पहुंचे जहां उन्होने नृत्य करने का आग्रह किया। डोल मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर ने उनका स्वागत किया और किन्नरों ने फिल्मी गानों पर चित्रहार पेश कर समां बांध दिया। इस दौरान किन्नरों से आशीर्वाद लेने के लिए कलाकारों और पार्षदों में होड़ मच गई। खुशबु आंटी ने मेले की सफलता के लिए दर्शकों को भी मंच से आशीर्वाद दिया।

एंजल रोज करती है अभ्यास-

एक मुलाकात में मुम्बई की आर्टिस्ट एंजल शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि रिंग डांस बहुत पुराना और बेहद जटिल है, पहले यह सिर्फ सर्कस में ही प्रस्तुत किया जाता है। उनके माता-पिता ग्रेट मुम्बई सर्कस के कलाकार थे उन्ही से उन्होने यह सब सीखा। फिल्मो में भी काम कर चुकी एंजल ने बताया कि इस नृत्य की प्रतिदिन दो घंटे कठिन अभ्यास करना होता है। सम्पूर्ण भारत में अपना प्रर्दशन करने वाले लाफ्टर किंग अमित सोनी बताया कि यह सब लिप्स का कमाल है। हर जगह उनके द्विभाषिये बंदर का शो हिट रहा है। वे खुद कॉमेडियन जानी लीवर गुरप के मेम्बर है और गत पन्द्रह वर्षो से लाफ्टर शो कर रहे है। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी कलाकारों समेत नगर परिषद जमादार अतिथी राजू, पंकज, नाथूलाल, संदीप, प्रदीप, अनिल, धनराज, बलवंत, महेन्द्र, दुलीचन्द, रामप्रसाद, मुकेश, सुनिता, सुनिल, कमल, मोनू, राजेन्द्र, अजय, दीपक, रवि, लखन, रणवीर भुमलिया आदि का उपसभापति नरेश गोयल, मेला अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, लीलाधर नागर, प्रदीप विजय, यशवंत अर्जुन और नगर परिषद के कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

प्रधान नईमुद्दीन गुडु के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान शिवर एवं कग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

-समर्थकों व आमजन ने 811 यूनिट रक्त देकर जन्मदिन को बनाया यादगार

शब्बीर हुसैन

कैथून/कोटा (रॉयल पत्रिका)। सोमवार 15 सितम्बर को प्रधान नईमुद्दीन गुड् के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर एवं कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री अशोक चांदना, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत रहे। विशिष्ट अतिथि कोटा जिला प्रभारी देशराज मीणा, देहात अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, केशवराय पाटन विधायक सी एल प्रेमी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस राखी गोतम, झालावाड़ जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुर्जर, पीसीसी महासचिव अमित धारीवाल, पूर्व चेयरमैन झालावाड मनीष शुक्ला, पर्यावरण प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुशील पारीक, बूंदी वफ्फ चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू, विधानसभा प्रभारी नेमी गुर्जर, पीसीसी सचिव क्रांति तिवारी, पीसीसी सचिव अनूप ठाकुर, सरोज मीणा, पीसीसी मेंबर सिद्दीकी गौरी, चंद्रबेल मीणा, विद्या गौतम, महिला कांग्रेस कोटा शहर अध्यक्ष शालिनी गौतम, पीसीसी सचिव देवकीनंदन वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सांगोद गीता मेघवाल ब्लॉक अध्यक्ष आशु गंभीर, पूर्व चेयरमैन आईना महक मंच पर उपस्थित रहे। सुबह 10 बजे से शुरू हुए रक्तदान शिवर में प्रधान नईमुद्दीन गुडडू, मुईजुद्दीन गुड् सहित उपस्थित अतिथियों ने रक्तदाताओं

का हौसला बढ़ाया जिससे 811 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ। पूर्व मंत्री अशोक चांदना ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतर चुकी हैं चुने हुए जनप्रतिनिधियों को निलंबित कर रही हैं प्रधान नईमुद्दीन गुड् की लोकप्रियता से भाजपा के लोग सहमे हुए है इसलिए उन पर अनर्गल आरोप लगा कर बार बार निलंबित कर रहे हैं। पूर्व मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि जन नेता नईमुद्दीन गुड् हमेशा से जनता के बीच लोकप्रिय रहे है 36 कोम को साथ लेकर चलते है इसलिए सर्वसमाज में लोकप्रिय है। आयोजित रक्तदान शिवर व कार्यकर्ता सम्मेलन में पधारे सभी अतिथियों,रक्तदाताओं ओर सभी कार्यकर्ताओं का प्रधान नईमुद्दीन गुड् ने आभार व्यक्त किया। रक्तदान शिविर एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल आनंद, मोईजुद्दीन गुड्, ब्लॉक अध्यक्ष अनूप मेहरा, ब्लॉक अध्यक्ष आशु गंभीर, मंडल अध्यक्ष तौसीफ़ अली, हंसराज चारण, अमृत मीणा, कमल गहलोत, हेमचंद कुशवाहा, उमाशंकर नागर, रामेश्वर प्रजापति, जिशान अली, विनोद बूर्ट, पंकज प्रभाती, दीपक नामदेव, उप महापौर सोनू कुरैशी, पार्षद बबलू कसाना, जियाउद्दीन राजू, लेखराज योगी, किशन प्रजापति, देवेश तिवारी, इरफान घोसी, मनोज सैनी, दिनेश खटीक, कमल मीणा, रचना शर्मा, अंसारी समाज अध्यक्ष लियाकत अंसारी, भरत मामा, विमल सेन, राजेश मेघवाल, नरेंद्र मीणा, उप प्रधान अशोक मीणा, भगवती मीणा, सत्यनारायण बंजारा, रूप सिंह बंजारा, दीपक शर्मा, मुश्फिक राय, रमेश गुर्जर एवं लायंस क्लब सहित कई समाजसेवी संस्थाओं से कार्यक्रम में भाग लिया।

उप चुनाव की तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उप चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में सोमवार को मिनी सचिवालय के सभागार में निर्वाचन प्रकोष्ठों के प्रभारियों व सहायक प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर तोमर ने कहा कि अंता विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर सभी प्रकोष्ठ अपने कार्यों को प्रारंभ करते हुए तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सुनिश्चित करें। सभी प्रकोष्ठ आपसी सामंजस्य बनाते हुए कार्य करें। बैठक में उन्होंने मतदान दल गठन, प्रशिक्षण, स्वीप गतिविधियों, वाहन अधिग्रहण, मीडिया सेंटर स्थापना, डाक मतपत्र, सामान्य व्यवस्थाएं, वेबकास्टिंग, वीडियोग्राफी, नियंत्रण कक्ष, निर्वाचन सामग्री, एकल खिड़की के माध्यम से ऑनलाइन अनुमति, रूटचार्ट सहित विभिन्न कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रकोष्ठ समय के साथ अपनी तैयारियों को पूरा करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही ना बरती जाएं। बैठक में सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, एडीएम शाहबाद जबर सिंह, एएसपी राजेश चौधरी सहित सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को हिंदी रत्न सम्मान

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी, पर्यावरणविद तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को हिंदी रत्न सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। बृजलोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी, आगरा द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी को संस्था के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा, सचिव तिरवर नाथ, कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना देवी तथा विधिक सलाहकार डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट द्वारा हिंदी रत्न सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान उनके द्वारा साहित्य साधना, शोध, शिक्षा तथा हिंदी भाषा विकास आदि के क्षेत्र में प्रेरक, रचनात्मक एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

बलाई विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भंवरलाल हरसोलिया की प्रथम पुण्यतिथि पर समाजबंधुओं ने दी श्रद्धांजलि

-स्व. भंवरलाल हरसोलिया की स्मृति में उनके सुपुत्रों द्वारा एक आलमारी समिति को भेंट की

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड़ स्थित बलाई समाज सभा-भवन में बलाई विकास समिति जयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भंवरलाल हरसोलिया की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समिति के कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल ने बताया कि टांकरड़ा निवासी समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भंवरलाल हरसोलिया की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र सुरेन्द्र, विरेन्द्र, महेन्द्र, नरेन्द्र के द्वारा बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) को एक अलमारी भेंट की है। समिति के पूर्व महासचिव एडवोकेट गोपाल लाल बुनकर ने बताया कि हरसोलिया लगातार पांच साल तक अध्यक्ष रहते हुए अपने

कार्यकाल में ही समाज बंधुओ के सहयोग से समाज के लिए भूमि खरीदी गई एवं उन्हीं के कार्यकाल में समाज बंधुओ के लिए सभा भवन पूर्ण रूप से बनकर तैयार हुआ है। हरसोलिया द्वारा समाज में किए गए कार्य हमेशा याद रहेगें। समिति के उपाध्यक्ष एडवोकेट राधेश्याम बुनकर ने बताया कि स्वर्गीय भंवरलाल हरसोलिया के सुपुत्र सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया वर्तमान में समिति के महासचिव पद पर कार्यरत है। इस दौरान समिति के कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल, उपाध्यक्ष एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, सदस्य गुलाबनाथ बुढ़गाया, एडवोकेट गोपाल लाल बुनकर, एडवोकेट जितेंद्र बुनकर, एडवोकेट रोशनलाल वर्मा, एडवोकेट लालचंद वर्मा, एडवोकेट हंसराज कांदेल, नरेंद्र कुमार तंवर, महेंद्र कुमार बॉयला, वीरेंद्र सिंह हरसोलिया, नरेंद्र कुमार हरसोलिया, संजीव कुमार बुनकर आदि समाजबंधु मौजूद थे।

रंगरेज समाज पंचायत विकास समिति कोटा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शहर में रविवार को रंगरेज समाज पंचायत विकास समिति का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर कोटा की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को एक ही मंच पर लाकर सम्मानित किया गया। समिति के सदर आज़ाद हुसैन नागरा ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह कोटा में पहली बार समिति द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें समाज के उत्थान और आपसी एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से 20 सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया। सदर आज़ाद हुसैन नागरा ने कहा कि रंगरेज समाज ने हमेशा सामाजिक विकास और भाईचारे को प्राथमिकता दी है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काजी ए

शहर कोटा ज़ुबैर अहमद साहब, कोटा- बूंदी लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र त्यागी रहे। समिति के पदाधिकारियों में सदर आज़ाद हुसैन नागरा, सेक्रेटरी इसाक हुसैन, कैशियर निसार अहमद, वरिष्ठ नायब सदर अब्दुल कादिर हाशमी, नायब सदर अब्दुल कलीम गोरी, संयुक्त सचिव फारूक अहमद तथा कार्यकारिणी सदस्य अब्दुल वाहिद, इम्तियाज हुसैन, इरशाद हुसैन, जाकिर हुसैन, जावेद अख्तर, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद उमर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा मोहम्मद अशफाक, दिलदार अली, वसीम अख्तर और मोहम्मद अखलाक ने भी निवेदक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में रंगरेज समाज के विकास को लेकर नई योजनाओं और सामाजिक एकता पर भी चर्चा की गई।

राष्ट्रीय अभियंता दिवस पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मेरी शान वोट का निशान, रंगोली एवं मानव श्रृंखला बनाकर किया जागरूक

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस के अवसर पर कोटा रोड पर बटावदा स्थित अभियांत्रिक महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में भारतीय इंजीनियर सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के आधुनिक भारत के विकास और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान व कार्यों पर चर्चा की गई , इस दौरान सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जन समूह को मतदान की शपथ दिलाते हुए जानकारी दी गई की जो युवा 1 जुलाई तक 17प्लस या 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं ,वह मतदाता सूची में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

युवाओं ने डाउनलोड किये निर्वाचन एप-

प्रभारी भार्गव ने निर्वाचन विभाग द्वारा जारी चारों ऑनलाइन एप के बारे में विस्तृत जानकारी दी, वही वी एच ए द्वारा अपना पंजीकरण स्वयं करने की प्रक्रिया समझायी तथा वोटर हेल्पलाइन एवं केवाईसी एप डाउनलोड करवाये, विद्यार्थियों ने ऐप डाउनलोड कर स्वयं प्रक्रिया को पूरा किया।

आकर्षक रंगोली में संजोए निर्वाचन के एप बनाई मानव श्रृंखला-

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओ ने मनमोहक रंगोली में आकर्षक रंगों के माध्यम से निर्वाचन के ऐप एवं मेरी शान वोट का निशान को दर्शाया साथ ही मानव श्रृंखला बनाते हुए मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य सुनील नागर, प्राध्यापक जयंक राय, अनीता शर्मा, जी एस नंदवाना, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा स्टाफ सदस्य एवं नागरिक मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने किया हिन्दी दिवस पर कवियों, साहित्यकारों का सम्मान

-जिला प्रमुख उर्मिला जैन रही मुख्य अतिथि

बारां (रॉयल पत्रिका)। रोटरी क्लब अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय, सचिव महेश तिवारी ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर कवियों एवं साहित्यकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसकी मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बारां उर्मिला जैन भाया रही। रोटरी अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में पधारे हुए कवियों, साहित्यकारों, रोटेरियन का शब्द चंदन से स्वागत अभिनन्दन किया गया तथा हिन्दी दिवस के बारे में अपने सम्बोधन में प्रकाश डाला। कवियों एवं साहित्यकारों ने हिन्दी दिवस के अवसर पर श्रृंगार रस, वीर रस, हास्य रस की कई रचनाएं पेश की। कल्पना विजय द्वारा भी काव्यपाठ किया गया। साहित्यकार ने अपनी रचना में कहा कि सत्यवान और तारावती हुई सत्य के लिए कंगाल है तो एक से भी एक बढ हुई मातृशक्ति यहां, इसलिए भारतमाता का ऊंचा भाल है, इसलिए भारतमाता का ऊंचाभाल है। कवि द्वारा अपनी रचना में कहा कि कर जोर मुझे मार पेट के माहे, थ्हारी बेटी बनके चलूं ले लेने दे री मुझे आंहे, जामण अरज करू कर जोर मुझे मार पेट के माहे मुख्य अतिथि जिला

प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। 14 सितम्बर 1949 को ही संविधान सभा ने यह निर्णय लिया था कि हिन्दी केन्द्र सरकार की आधिकारिक भाषा होगी। चूंकि भारत मे अधिकतर क्षेत्रों में हिन्दी भाषा बोली जाती थी, इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और इसी निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करवाने के लिए काका कालेलकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविन्ददास आदि साहित्यकारों को साथ लेकर राजेन्द्र सिंह ने अथक प्रयास किये। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी दिवस मनाने का निर्णय लिया, जो तब से जारी है और पूरे देश में विभिन्न विद्यालयों और कार्यालयों में इसे मनाया जाता है। क्लब सचिव द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, रोटेरियन्स का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम उपरान्त सभी ने रोटेरियन्स सपरिवार सहित स्नेहभोज का आनन्द उठाया। कार्यक्रम में रोटेरियन्स प्रकाश टोंग्या, विकास जैन, प्रदीप मारू, सुनील जैन, पंकज मारू, राजेन्द्र मित्तल, आशीष गौत्तम, डॉ. सतीश अग्रवाल, डॉ. लक्ष्मी अग्रवाल, सतीश विजय, राकेश सेठी, जितेन्द्र अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के प्रधानमंत्र नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित होगा । जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर एवं रक्तदान के जिला संयोजक जगदीश अग्रवाल के नेतृत्व मे प्रदेश के निर्देशानुसार 'सेवा पखवाड़ा ' अभियान के तहत दिनांक 17 सितंबर बुधवार को प्रात: 9 बजे से सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर में स.मा. विधानसभा के पांचों मंडलो का संयुक्त स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। जिसमें सभी पांचों मंडल के अंतर्गत आने वाले भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, जिला पदाधिकारी, वर्तमान,एवं पूर्व पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, जनप्रतिनिधि, पार्षद ,पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य,मोर्चा प्रकोष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। पार्टी नेतृत्व ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि समय पर रक्तदान शिविर में पहुंच कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर हुआ लोकतंत्र की पाठशाला का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार युवा मतदाताओं के शत प्रतिशत पंजीयन एवं निर्वाचन संबंधी जानकारी के उद्देश्य से बटावदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहप्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराते हुए विद्यार्थियों को ईएलसी के दायित्व एवं कार्यों के बारे में बताया, साथ ही वोटर हेल्पलाइन एप पर फॉर्म 6 के जरिए घर बैठे अपना नाम मतदाता सूची में पंजीयन करने व फॉर्म 6 बी द्वारा ईपिक को आधार से लिंक करने एवं फॉर्म 8 से वोटर आईडी में किसी भी प्रकार के संशोधन को ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया।

मानव श्रृंखला बनाकर किया जागरूक-

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने ई एल सी को मानव श्रृंखला के रूप में दर्शाते हुए मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जितेंद्र खींची, बीएलओ,स्वीप सदस्य रामचरण मीणा,स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

यादव महासभा की बैठक सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर चर्चा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं शहर के जयपुर रोड दौलत शाह बाबा दरगाह के पीछे स्थित कृष्ण छात्रावास में जयपुर जिला देहात यादव महासभा की कार्यकारिणी की बैठक आयोजन हुई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने समाजहित में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए। बैठक में सर्व सम्मति से जाति जनगणना करवाने का प्रस्ताव पारित किया। समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को दूर करने पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान चौंमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर ने संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में तैयारी की जा रही है ई-लाइब्रेरी के संबंध में विचार विमर्श व जल्दी से जल्दी इसको चालू करवाने का भी निर्णय लिया गया। और तहसील अध्यक्षों एवं पदाधिकारी ने निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया और छात्रावास निर्माण कार्य का भी प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। अध्यक्ष डागर ने उन्होंने कहा की छात्रावास का निर्माण केवल एक भवन नहीं बल्कि यह हमारी बेटियों की शिक्षा सुरक्षा और उज्जवल भविष्य की ओर एक सख्त कदम है। इस मौके पर समाज बंधुओ ने 26 अक्टूबर को दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित करना प्रस्तावित किया गया। इस समारोह में छात्राओं राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया जाएगा जिला अध्यक्ष डॉक्टर यादव ने प्रस्तावो और आवंटनों को सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

रामलीला मंथन की तैयारियां शुरु

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित आदर्श रामलीला मंडल के तत्वाधान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन चरित्र पर आधारित रामलीला के मंथन की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष कालूराम जाट एवं महामंत्री गोपाल लाल रेवड़ का ने बताया कि 18 सितंबर गुरुवार से 2 अक्टूबर गुरुवार दशहरा पर्व तक शहर के चौपड़ के परिसर में जैन मोहल्ले में आयोजित होने वाली रामलीला के मंथन की बड़ी जोर- शोर से तैयारी चल रही है। इस कार्यक्रम में रात्रि में चौपड़ के स्थित रघुनाथ जी के मंदिर में कलाकार रामलीला का पूर्व ब्यास कर रहे हैं। और इसके साथ ही रामलीला का मंच बनाना भी शुभारंभ कर दिया गया है। मंडल के निर्देशक महेश शर्मा हवेली वाले ने कहा की कलाकार में अपनी कला को दर्शकों के सामने बेहिचक तरीके से प्रस्तुत करने का रिहर्सल कर रहे हैं और रात्रि में रामलीला मंथन की तैयारियां जोर-सोर से चल रहे हैं।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चूरू जिला मुख्यालय पर वोट चोर गद्दी छोड़

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इन्द्राज खिचड के नेतृत्व में वोट चोर गद्दी छोड अभियान के तहत चूरू जिला मुख्यालय पर पंखा रोड स्थित दादाबाडी चूरू में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चूरू सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि वोट चोर गद्दी छोड का नारा देश के कौने कोने में अब गुंजने लगा है। हमारे नेता राहुल गांधी की महनत रंग ला रही है जो लक्ष्य लेकर नेता चले है संविधान बचाओ उस नारे को आम जनता की जुबान पर सुनने को मिल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ताओं को गांव गांव ढाणी ढाणी यह संदेश पहुंचाना है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि भाजपा की कथन और करनी में बहुत बडा अंतर है यह लोग सत्ता के लिए कोई भी हथकंडा अपना सकते है। हमें इनके मनसुबो से आमजन को जागरूक करना है। वरिष्ठ विधायक नरेन्द्र बुडानिया ने कहा देश और प्रदेश की सरकार किसान व युवा विरोध है इनका जन कल्याण से कोई लेना देना नही है। आमजन को आपस में लडाना ही इनकी प्राथमिकता है। भाजपा सरकार का विकास से कोई नाता नही है। सरदारशहर विधायक अनील शर्मा ने कहा लोकतंत्र को तार तार करने वाली भाजपा सरकार निकाय व पंचायतीराज चुनाव से आखिर क्यू दुर भागना चाह रही है क्योकि जनता की भावना इनके विपरित जाने का इनको आभास हो गाया है। सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने भाजपा को आडे हाथो लेते हुए कहा कि भाजपा सरकार आमजन के विकास के लिए कोई योजना नही ला रही है जबकि पूर्ववर्ति सरकार की योजनाओं को बंद कर आमजन को हो रहे लाभ से वंचित करने का काम रही है।, रतनगढ विधायक पुसाराम गोदारा ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने मतदाताओं से मदाधिकार छीनकर निर्वाचन आयोग जैसी संविधानिक संस्थाओं की पारदर्शिता को समाप्त कर सत्ता प्राप्त की है व अनुचित है तथा गैर कानुनी है व जन भावनाओं के विपरित है। कार्यक्रम में वक्ता पीसीसी महामंत्री ललित तुनवाल, पीसीसी महासचिव रामसिंह कस्वां, वक्फ बोर्ड चैयरमैन खानु खान बुधवाली, महिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष रिहाना रियाज, पीसीसी सचिव रियाजत खान, विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल प्रभारी ज्योति खन्ना, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल की मुख्य प्रशिक्षक मधु गुरूंग, प्रदेश से प्रशिक्षक रामभरोसी सैनी, सेवादल जिला अध्यक्ष संजय दीक्षित, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, प्रधान संजय कस्वां, विक्रम सिंह शेखावत, राजगढ पूर्व अध्यक्ष संजय पुनियां आदि ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष धान्धू, प.स प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, मो. हुसैन निर्बाण, हेमन्त सारस्वत, नारायण बालाण, रामेश्वर प्रजापति, शिवकुमार शर्मा, विधाधर मेघवाल, लालचंद सैनी, अबरार खान, रमजान खान, कमला पुनियां, हेमन्त सिहाग, हर्ष लाम्बा, एनके झारिया, सुनिता कपुरिया, अली मो. भाटी, अजीज दिलावरखानी, असलम खां मोयल, समीउल्लाह गौरी, योगेश ढाका, संजय भाटी, आरिफ रिसालदार, नगर अध्यक्ष असलम खान, प्यारेलाल दानोदिया, अनीस खान, विमल शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष रामनारायण व्यास, करतार सिंह टांडी, उमा शंकर शर्मा, निरज शर्मा, सोयल खान डीके, सद्दाम हुसैन, रामेश्वर नायक, श्रवण बसेर, आसिफ निर्बाण, ईमरान मलनस, एडवोकट अनीस खान सहित बीएलए उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गायन के साथ हुआ।

भाजपा द्वारा जिला मुख्यालय पर प्रेस के माध्यम से जीएसटी नेक्स्ट जैन जीएसटी रिफॉर्मर्स के अंतर्गत बताया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चूरू जिला मुख्यालय पर मंगलवार को प्रेस के माध्यम से जीएसटी नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफार्म्स के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के द्वारा जीएसटी रिफॉर्म के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है इसके लिए यह रिफॉर्म मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा एवं चूरू विधायक हरलाल लाल सहारण ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार 2014 से देश को विकसित देश बनाने के लिए प्रयासरत है आज विश्व में भारत की आवाज को बुलंद आवाज माना जाता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान विश्व भर में किया जाता है उनकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है। उन्होंने इन जीएसटी रिफॉर्म के लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवा अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। किसान की आय दुगनी हो रही है। देश सुरक्षित हाथों में है ऑपरेशन सिंदूर में हमने विश्व को अपनी ताकत दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी का रिफॉर्म किया है इसका लाभ कार्यकर्ता आम जनता तक पहुंचाएंगे उन्होंने कहा कि देश ने तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जो विश्वास जताया है उसे विश्वास का परिणाम है कि आज देश की सरकार देश के लोगों के हित में कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में देश में प्रदेश के लोगों के सपनों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि अब कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है कि देश की इन विकास योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं। शर्मा ने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर व्यक्ति को लाभ होगा इससे देश में महंगाई कम होगी देश वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ कर विकसित होगा। उन्होंने कहा कि ये निर्णय ऐतिहासिक निर्णय है इससे देश की हर गृहणी के जीवन में खुशहाली आएगी जिसमें महिलाएं और सशक्त हो पाएंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक निर्णय को लेकर उत्साहित हैं और वो आम लोगों के बीच जाकर इसका प्रचार प्रसार करेगा। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है इस दौरान प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा मनाएंगे जिसके अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्य शुरू किए जाएंगे जो कि 2 अक्टूबर तक चलेंगे।

QTA हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का हुआ आयोजन

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। काजी तुफैल अहमद अस्पताल रोडवेज बस डिपो के पास, हाउसिंग बोर्ड रोड सवाई माधोपुर द्वारा शहर में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमे शहर ओर अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों मरीजों ने इसका लाभ उठाया। शिविर कॉर्डिनेटर डॉ. अल्ताफ हुसैन ने बताया कि शिविर में डॉक्टर मंसूर अहमद हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. घनश्याम अग्रवाल न्यूरोसर्जन, हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार सैनी, डॉ. सैयद आतिफ अहमद, डॉ. अब्दुल अजीज कागजी आदि डॉक्टर्स मौजूद थे।

लगभग 250 मरीजो कि विभिन्न प्रकार की खून, ईसीजी, बल्ड शुगर, बल्ड प्रेशर इत्यादि जांचे व सभी मरीजों को दवाएं भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई।

जिला कलक्टर ने की राष्ट्रीय दशहरा मेले की तैयारियों की समीक्षा

शब्बीर हुसैन

कोटा(रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने मंगलवार को 132वें राष्ट्रीय दशहरा मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में उन्होंने 22 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय दशहरा मेले के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समारिया ने कहा कि मेला विभिन्न विभागों के समन्वय से सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाया जाए ताकि आमजन इसका भरपूर आनंद ले सकें। साथ ही, व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर देश-प्रदेश के लोगों को इससे जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मेले की विभिन्न गतिविधियों खासकर रात्रिकालीन होने वाले बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विभिन्न स्थानों पर पार्किंग निर्धारित किए जाएं ताकि आवागमन की समस्या नहीं रहे और लोग सुगमता से मेले में आवाजाही कर सकें। उन्होंने कहा कि पार्किंग स्थलों, मेला परिसर व प्रमुख रास्तों पर सीसीटीवी कैमरा व प्रकाश की पुख्ता व्यवस्था की जाए। साथ ही, मेला स्थल पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएं ताकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति का अधिक से अधिक लोग आनंद उठा सकें। जिला कलक्टर ने विद्युत संबंधी सुरक्षा के लिए केईडीएल को निर्देश दिए कि प्रतिदिन सेफ्टी ऑडिट किया जाए। निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर ब्रिगेड निर्धारित स्थानों उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि मेला परिसर में झूले, ठेले इत्यादि निर्धारित स्थानों पर ही लगें ऐसी व्यवस्था की जाए। अधीक्षण अभियंता एवं अतिरिक्त मेला अधिकारी महेश गोयल ने 132वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में पुलिस अधीक्षक शहर तेजस्वनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर दिलीप सैनी, नगर निगम उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण जवाहर जैन, एसडीएम लाडपुरा गजेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर कार्यालय से 100 मीटर दूर पंचायत समिति के सामने गंदे पानी की पाइप लाइन लीकेज, दुर्गंध से आमजन दुखी

-आधी सड़क पर गन्दा पानी और आधी पर मिट्टी जमी हुई है

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर में प्रशासन गहरी नींद में सो रहा है या बेहोश हो चुका है। तभी तो लोग कह रहे हैं कि चूरू प्रशासन होश में आओ होश में आओ। मिली जानकारी के अनुसार चूरू कलेक्टर कार्यालय से 100 मीटर दूर पंचायत समिति के सामने लंबे समय से गंदे पानी की पाइप लाइन लीकेज है। इससे भारी मात्रा में गंदा पानी मुख्य सड़क पर एकत्रित हो गया है। इसकी दुर्गंध से आमजन को बहुत परेशानी हो रही है। साथ ही यहां दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। क्योंकि आधी सड़क पर गंदा पानी और आधी सड़क पर मिट्टी जमी हुई है। मजे की बात यह है कि जिला कलेक्टर, एडीएम आदि सहित दर्जनों उच्च अधिकारी इसी सड़क से आते जाते हैं। लेकिन किसी को भी इस समस्या का समाधान करवाने की फुर्सत नहीं है। उनकी गाड़ियां दिन में चार बार यहां से गुजरती हैं। लगता है यहां का प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। लोगों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि नगरपरिषद के अधिकारियों की अनदेखी और लापरवाही आमजन पर भारी पड़ रही है। खानापूर्ति करने में माहिर नगरपरिषद वालों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी आदि सहित उच्च अधिकारियों को नीचा दिखाने की कसम खा ली है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इनको जितने निर्देश देते हैं, ये उतने ही उल्टे काम करते हैं। इन्हें कोई कहने सुनने वाला भी तो नहीं है। इसलिए इनकी नीति पूरी तरह से खराब हो गई है। कोई मरे हो मरो चाहे, इनकी तनख्वा तो पक्की है। ये अधिकारी यहां दो मिनट खड़े रहकर दिखा दें तो मान जाएं। ऐसे में यहां रहने वालों की क्या हालत हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर यहां के अधिकारी फिट्टेपन की सभी हदें पार कर चुके हैं। तभी तो कहते हैं कि चूरू प्रशासन होश में आओ होश में आओ। अब देखना यह है कि इनकी बंद आंखें कब खुलती हैं। तब तक बुराई का भांडा अफसर नंबर वन पर ही फूटता रहेगा।

भाषा को आसान करना ही उसे मजबूत करना है - डॉ. कुमार

-हिन्दी सप्ताह के समापन के अवसर पर 'समन्वयक एवं राष्ट्रीय एकता की प्रतीक हिंदी'

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अगर आप भाषाओं को आसान करते हो तो आप भाषाओं को मजबूत करते हो अगर आप भाषाओं को कठिन करते हो तो आप भाषाओं को कमजोर करते हो। ये कहना है जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. भरत कुमार का। वे बतौर मुख्य वक्ता मौलाना आजाद विश्वविद्यालय की ओर से गत 09 से 14 सितम्बर को सम्पन्न हुए हिन्दी सप्ताह के समापन के मौके पर सोमवार को विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित 'समन्वयक एवं राष्ट्रीय एकता की प्रतीक हिंदी' विषयक व्याख्यान एवं सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे देश के कई राज्यों में जाने का अवसर मिला। हिन्दी को आसान बनाने के लिए काम होना चाहिए और इस पर काम हो भी रहा है। देश की 140 करोड़ की आबादी में 57 प्रतिशत लोग हिन्दी बोलते है और भारत के 8 राज्य ऐसे है जहां के लोगों की पहली भाषा हिन्दी है और भारत के लगभग 23 राज्य ऐसे है जहां की दूसरी भाषा हिन्दी है। अंग्रेजी पहली भाषा देश के केवल 2 लाख 70 हजार लोगों की है। हमें भाषा के विकास के लिए उसे रोजगारपरक बनाना होगा। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जमील अहमद काजमी ने विश्वविद्यालय का परिचय एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए इसकी स्थापना को 12 वर्ष पूर्ण होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकतम उपयोग को ही इसके प्रसार का माध्यम बताया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के इन बारह वर्षो के क्रियाकलापों की शोर्ट डॉक्यूमेन्ट्री का प्रदर्शन भी किया गया। यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने विश्वविद्यालय की स्थापना, इसका उद्देश्य, भविष्य की योजनाएं तथा जिन लोगों की सहायता से ये विश्वविद्यालय खड़ा हुआ है उन सभी भामाशाहों एवं यूनिवर्सिटी से जुड़े लोगों का आभार जताते हुए इसे नित नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने के लिए सभी को यूनिवर्सिटी के लिए मिलकर काम करने को कहा।

स्माजसेवी, गांधी विचारक एवं स्वतंत्र चिंतक संदीप मेहता ने अध्यक्षता करते हुए 'स्वतंत्र और आज़ाद' शब्दों के वास्तविक भावार्थ को समझाते हुए कहा कि अतीक साहब ने 'तुमसे नहीं हो पायेगा' इस विचार रूपी बाधा को तोड़ते हुए परेशानियों व मुश्किलों के संघर्ष से आज़ाद होकर सही दिशा में ईमानदारी से बरसो की मेहनत से जो कार्य किया उसका परिणाम है मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी। यहीं भाव हमें भाषा के विकास में भी लाने होंगे। कार्यक्रम प्रभारी एवं हिन्दी विभाग सहायक आचार्य डॉ. रेहाना बेगम ने बताया कि हिन्दी तब और अब, हिन्दी कवि, हिन्दी राजभाषा, हिन्दी एकता और सांस्कृतिक गौरव की आवाज विषय आधारित निबन्ध प्रतियोगिता में डीफार्म फर्स्ट ईयर के राकेश चौहान, कलाराम, राहुल जोशी, बीपीटी फर्स्ट ईयर की कशिश माथुर, प्रियंका चौधरी, प्राची सोलंकी, बीकॉम फर्स्ट सैम की आरिया, मुबस्सिरा, मेहरीन, बीएससी बीएड फर्स्ट सैम की आफरीन डिम्पल भगवती देवी, बीसीए फर्स्ट सैम की फरहाना खान, सानिया बानो, यास्मीन खां, बीएबीएड फर्स्ट सैम सानिया मेराज, महक जोया व शालू ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। हिन्दी भाषा का विकास व हिन्दी राजभाषा विषय आधारित भाषण प्रतियोगिता में शालू ने पहला व अरवीशा ने दूसरा स्थान हासिल किया।

जिला कलेक्टर मंत्री ने किया स्कॉलरशिप का प्रचार, बेटियों को मिलेगा उच्च शिक्षा का अवसर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप 2025 की घोषणा की गई है। इस योजना का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों से इस वर्ष 12वीं उत्तीर्ण कर कॉलेज में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। मंगलवार को जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री ने इस स्कॉलरशिप का विशेष प्रचार किया और जिले के सभी निवासियों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि बेटियों की उच्च शिक्षा ही परिवार और समाज के सशक्तिकरण की असली कुंजी है। इस अवसर पर पूर्व सहायक निदेशक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पालीसोहनलाल भाटी, अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन से अशोक कुमार, सज्जन चौधरी और मयंक वर्मा एव दिनेश त्रिवेदी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पाली जिले की जनता से अपील की कि वे इस अवसर को गंभीरता से लें और अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि यह छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि समाज में बेटियों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का माध्यम भी है।

स्कॉलरशिप के मुख्य बिंदु:

पात्रता: छात्रा ने सरकारी विद्यालय से 10वीं और 2025 में सरकारी विद्यालय से 12वीं उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान वर्ष (2025-26) में किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज में प्रवेश लिया हो।

आवेदन प्रक्रिया: आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।

आधिकारिक वेबसाइट: www.az-impremjifoundation.org

आवश्यक दस्तावेज़: शैक्षणिक प्रमाणपत्र और कॉलेज प्रवेश पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि: 30 सितम्बर 2025

जिला कलेक्टर ने कहा कि इस अवसर का अधिक से अधिक छात्राओं को लाभ मिलना चाहिए और अभिभावकों को समय पर आवेदन पूरा करने का आग्रह किया।

गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल का राज्य स्तरीय मंच पर गौरव

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। डॉ. ऋषि कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रोफेसर (श्वसन रोग विभाग), गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर ने हाल ही में जयपुर में आयोजित राजपल्मोकॉन 2025 (राज्य स्तरीय पल्मोनोलॉजिस्ट सम्मेलन) में सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने "पैराप्न्यूमोनिक इफ्यूज़न के प्रबंधन" विषय पर पैनलिस्ट के रूप में अपने विशेषज्ञ विचार साझा किए और इस चुनौतीपूर्ण रोग के उपचार हेतु साक्ष्य-आधारित नवीनतम तरीकों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, डॉ. शर्मा ने राज्यव्यापी पीजी क्विज़ का सफल संचालन भी किया, जिसमें पूरे राजस्थान से युवा पल्मोनोलॉजिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनकी यह भूमिका न केवल उनके शैक्षणिक नेतृत्व को दर्शाती है बल्कि भावी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। डॉ. शर्मा की यह सक्रिय भागीदारी गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर की राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर श्वसन चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर योगदान को उजागर करती है।

सवाई माधोपुर जिला कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने की जन समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर से की मुलाकात

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री अशोक बैरवा जी की अगुवाई में कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल जिला कलेक्टर महोदय सवाई माधोपुर से मिलकर के जन समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिसमें अभी बरसात से हुई अतिवृष्टि को लेकर कई जगह रास्ते अवरुद्ध हो गए जिससे खाद पेट्रोल दैनिक उपभोग की वस्तुएं महंगी हो गई है। इसलिए सभी रास्तों को तुरंत प्रभाव से रिपेयर करके चालू कराएं एवं विशेष तौर से जैतपुर पुलिया का भारी वाहनों का आवागमन शीघ्र चालू किया जाए जिससे लोगों को डीजल पेट्रोल किसानों को खाद मिले एवं खाद्य सामग्री दुकानों पर पहुंचे बाजार में पहुंचे ताकि लोगों को उसका महंगे दाम पर उनको नहीं लेना पड़े किसानों की फसल योजना की तुरंत गिरदावरी का मुआवजा दिया जाए। जिनको जनधन के हानि हुई है कई लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं आशियाना टूट गए नष्ट हो गए उनको भी मुआवजा दिया जाए इन समस्याओं को लेकर कांग्रेस के प्रति निधी मंडल में जिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष चतर सिंह राजावत खंडार, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष रामजीलाल गुर्जर खंडार, नगर पालिका के उपाध्यक्ष हरिओम गुर्जर, जिला कांग्रेस कमेटी के डॉक्टर बालाराम गुर्जर, के एल.सैनी जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव मुख्तार खान, महावीर चौधरी सत्यनारायण सिंघल ओम शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी में सोशल मीडिया प्रभारी अजय शर्मा उपस्थित रहे।

चूरू नगर परिषद में शहरी सेवा शिविर 17 सितंबर से

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में चूरू नगरपरिषद में बुधवार, 17 सितंबर, 2025 से शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि 17 सितंबर को वार्ड संख्या 01, 02, 03 व 60 के लिए चूरू चौपाटी, 19 सितंबर को वार्ड संख्या 04, 05, 06 व 07 के लिए संकट मोचन बालाजी मंदिर, 20 सितंबर को वार्ड संख्या 08, 09, 10 व 11 के लिए चूरू नगरपरिषद कार्यालय, 23 सितंबर को वार्ड संख्या 12, 13, 14 व 15 के लिए वन विहार कॉलोनी सामुदायिक भवन, 25 सितंबर को वार्ड संख्या 16, 17, 18, 19 व 20 के लिए चूरू नगरपरिषद कार्यालय, 27 सितंबर को वार्ड संख्या 21, 22, 23, 24 व 25 के लिए इन्द्रमणी पार्क, 29 सितंबर को वार्ड संख्या 26, 27, 28 व 29 के लिए वैदों की धर्मशाला में शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 03 अक्टूबर को वार्ड संख्या 30, 31, 32 व 36 के लिए मनोरंजन क्लब चूरू, 04 अक्टूबर को वार्ड संख्या 33, 34, 35 व 39 के लिए नामदेव धर्मशाला, 06 अक्टूबर को वार्ड संख्या 37, 38, 40 व 42 के लिए स्कूल नंबर 04 भाटों का मोहल्ला, 08 अक्टूबर को वार्ड संख्या 41, 43, 44 व 46 के लिए वार्ड नंबर 43 मण्डावेवालों की धर्मशाला, 11 अक्टूबर को वार्ड संख्या 45, 47, 48 व 49 के लिए चांदनी चौक धानुका धर्मशाला में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में 13 अक्टूबर को वार्ड संख्या 50, 51, 52 व 53 के लिए महावीर दल चौक भार्गव बस्ती भवन, 15 अक्टूबर को वार्ड संख्या 54, 55 व 56 के लिए कुदाल भवन तथा 17 अक्टूबर को वार्ड संख्या 57, 58 व 59 के लिए परशुराम भवन में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कुदाल भवन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का पांचवां दिन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कुदाल भवन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवे दिन कथा वाचक पंडित मुरारी लाल दाधीच ने कहा कि व्यक्ति जन्म मरण से मुक्त ईश्वर के स्मरण से ही हो सकता है। ईश्वर सभी प्राणियों में होता है आवश्यकता उसको पहचानने की होती है हर व्यक्ति में ईश्वरीय गुण छिपे होते हैं उनको उजागर करने का तरीका प्राणी मात्र में ईश्वर की छवि देखना है जो भी ईश्वर को साकार रूप में देखना चाहता है उसको भक्ति रस में डूबना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राग द्वेष से हम सब परे रहे व्यक्ति सफल हो सकता है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुनाई जिसमें पूतना वध, माखन चोरी, और गोवर्धन पूजा जैसे प्रसंग सुनाए उन्होंने इंद्र देव के अभिमान का खंडन और गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाने की लीला का वर्णन करते हुए कहा इस कथा से भक्तों को अहंकार न करने और कर्म करने की प्रेरणा मिलती है। कथा मं सैकड़ों की तादाद में महिलाएं उपस्थित रही।

एक्ट्रेस ने सुनाया इनरवियर शॉपिंग किस्सा

मैं तो बदतमीज हूं

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अहसास चन्ना आज इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं. माय फ्रेंड गणेशा और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों से लेकर कोटा फैक्ट्री और गर्ल्स हॉस्टल जैसे वेब शोज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा जाता है. अहसास एक्टिंग के साथ-साथ अहसास अपनी बेबाक और बिंदास पर्सनैलिटी के लिए भी जानी जाती हैं.

हाल ही में उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में इनरवियर शॉपिंग से जुड़ा एक मजेदार और बोल्ड किस्सा शेयर किया, जो अब वायरल हो रहा है. हाल ही में अहसास चन्ना अपनी दोस्त रेवथी पिल्लई के साथ द गुड गर्ल शो में पहुंची थीं. शो के दौरान दोनों ने इनरवियर खरीदने को लेकर बात की. अहसास ने बताया कि उन्हें इन चीजों की शॉपिं करते वक्त कभी भी शर्म नहीं आई. उन्होंने हंसते हुए कहा, मुझे इनरवियर खरीदते वक्त कभी शर्म नहीं आती. मैं तो इतनी बदतमीज हूं कि मैं वहां पहनकर भी देखती हूं कि ये ठीक है न, अच्छी लग रही है न और फिर पूछती हूं कि इसको उतारते कैसे हैं?

अहसास को देखकर बदली रेवथी की सोच

अहसास की यह बात सुनकर रेवथी ने भी अपना एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने बताया कि पहले उन्हें ब्रा सेक्शन में जाने में बहुत शर्म आती थी, लेकिन अहसास के साथ शॉपिंग करने के बाद उनकी सोच बदल गई. रेवथी ने कहा, कोविड के बाद मैं अहसास के साथ शॉपिंग गई थी. जब वो ब्रा सेक्शन में गई तो मुझे बहुत शर्म आ रही थी. अहसास के लिए यह बहुत नॉर्मल था, फिर उसने मेरे लिए भी पूछा. इसके बाद मैं थोड़ी ओपन हुई कि ये कपड़े ही तो हैं, गलत तो कुछ कर नहीं रहे. बता दें कि, अहसास चन्ना पर्दे पर ही नहीं बल्कि, सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरों से फैंस के दिलों का करार लूटती रहती हैं. वह अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर भी खबरों में छाई रहती हैं.

फिल्म निर्माताओं पर भड़के अनुराग कश्यप

मोहित सूरी की तारीफ की

भारतीय सिनेमा में इन दिनों नया चलन चल गया है। वह है री-रिलीज का। पिछले कुछ वर्षों में जहां नई फिल्मों को दर्शकों को आकर्षित करने में संघर्ष करना पड़ा, वहीं पुरानी फिल्में दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में कामयाब रहीं। प्यासा और श्री 420 जैसी फिल्मों से लेकर करण अर्जुन और अंदाज अपना अपना जैसी 90 के दशक की फिल्मों को दोबारा रिलीज किया गया। इन फिल्मों को लोगों ने पसंद किया। इसी से प्रेरित होकर ये जवानी है दीवानी और सनम तेरी कसम जैसी फिल्में फिर से रिलीज की गईं। सोशल मीडिया पर लोगों का मानना है कि बॉलीवुड के पास अब नए विचार नहीं हैं।

निर्माताओं में दिक्कत है

हालांकि, फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की राय अलग है। एएनआई से बात करते हुए, फिल्म निर्माता ने बताया असली समस्या निर्माताओं के साथ है। लेखकों और निर्देशकों के पास ढेरों नए विचार होते हैं, लेकिन निर्माता ही हैं जो सिर्फ सुरक्षित प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहते हैं।

मोहित सूरी की तारीफ की

अनुराग कश्यप ने यह भी बताया कि कैसे बहुत कम फिल्म निर्माता अपनी कहानियों पर टिके रहते हैं। हाल ही में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म सैय्यारा का जिक्र करते हुए, फिल्म निर्माता ने मोहित सूरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कई निर्माताओं के मना करने के बाद भी उन्होंने अपनी फिल्म पर काम किया। अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत यह फिल्म हिट साबित हुई। उन्होंने आगे कहा अब इंडस्ट्री में हर कोई इस बदलाव को एक चलन के रूप में देखेगा। यह झुंड मानसिकता निर्माताओं में है। समस्या उन्हीं में है।

अनुराग कश्यप का काम

अनुराग कश्यप अपनी अगली फिल्म निशानची की तैयारी कर रहे हैं, जो 2000 के दशक के शुरुआती उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित एक क्राइम ड्रामा है। इस फिल्म में ऐश्वर्या ठाकरे दोहरी भूमिका में हैं। वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एल्विश यादव का बर्थडे सेलिब्रेशन

अपने खास दिन पर एल्विश यादव ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह शानदार केक के साथ पोज देते दिखे, तो दूसरी में अपनी मां के साथ प्यार भरा पल बिताते नजर आए। दोस्तों के बीच हुई इस पार्टी में माहौल बेहद खुशनुमा रहा। एल्विश ने मजाकिया अंदाज में लिखा–हैप्पी बर्थडे टू मी। यह पोस्ट देखते ही फैंस और करीबी दोस्तों ने उन्हें इस खास दिन के लिए बधाइयां दीं।।

जन्नत जुबैर को वाकई डेट कर रहे एल्विश यादव?

जन्नत जुबैर का स्पेशल मैसेज

सभी शुभकामनाओं के बीच सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं जन्नत जुबैर ने। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एल्विश को बर्थडे विश करते हुए लिखा–हैप्पी हैप्पी बर्थडे। खास बात यह रही कि जन्नत ने उनके साथ ली गई एक तस्वीर को क्रॉप कर साझा किया। इस पर एल्विश ने भी मजेदार अंदाज में सिर्फ हाथ मिलाने वाला इमोजी भेजा।

एल्विश यादव के जन्मदिन के मौके पर उनकी दोस्त जन्नत जुबैर ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसके बाद दोनों को एक बार फिर साथ में जोड़े जाने लगा। पॉपुलर यूट्यूबर एल्विश यादव आज यानी 14 सितंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस और चाहने वाले उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच करीबी दोस्त जन्नत जुबैर ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। जन्नत की बर्थडे विश के बाद एक बार फिर से दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं।

कार्तिक-अनन्या की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' की नई रिलीज डेट का हुआ एलान

इस साल का आखिरी दिन मूवी लवर्स के लिए खास रहने वाला है। वजह है कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...', जिसकी रिलीज डेट अब प्रीपोन हो गई है। जहां पहले फिल्म 13 फरवरी 2026 यानी वेलेंटाइन डे पर आने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे 31 दिसंबर 2025 को रिलीज करने का फैसला किया है। यानी इस फिल्म को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

कार्तिक और अनन्या ने फैंस के साथ पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि साल का आखिरी दिन हमारे साथ बिताइए, क्योंकि हमारी फिल्म नए साल से ठीक पहले सिनेमाघरों में आ रही है। साल खत्म होगा लेकिन प्यार की नई शुरुआत होगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की रैप पार्टी की एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह और अनन्या पांडे साथ नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग कई खूबसूरत जगहों पर हुई है। एक ओर यूरोप का लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन क्रोएशिया, वहीं दूसरी ओर भारत का ऐतिहासिक और रंगीन राज्य राजस्थान- दोनों जगहों की झलक दर्शकों को इस फिल्म में देखने को मिलेगी। ट्रेलर और तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कहानी में रोमांस, कॉमेडी और इमोशन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

टैलेंट की कद्र न होने पर बुरा लगता है

डांसर के रूप में वाहवाही बटोरने वाले शांतनु माहेश्वरी अब बतौर ऐक्टर भी लोगों का दिल जीत रहे हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था जैसी फिल्मों के बाद अब वह फिल्म लव इन वियतनाम में लीड भूमिका निभा रहे हैं। शांतनु के मुताबिक, डांस की वजह से उन्हें ऐक्टर बनने में काफी मदद मिली, क्योंकि हर डांसर में एक ऐक्टर होता ही है।

डांस में भी ऐक्टिंग होती ही है

इन दिनों शांतनु की तरह डांसर रहे राघव जुयाल भी ऐक्टर के रूप में धमाल मचा रहे हैं। ज्यादातर डांसर्स के ऐक्टिंग की ओर रुख करने को लेकर शातनु का कहना है, अगर आप डांसर हैं, तो ऐक्टिंग खुद-ब-खुद आ जाती है। डांस में भी मुद्राएं होती हैं, आपको आंखों से भाव दिखाने होते हैं। आप सिर्फ स्टेप्स करके अच्छे डांसर नहीं बन सकते। आप अच्छे डांसर तभी होते हैं, जब उन भावों को भी दिखाते हैं। डांस आपको रिद्म सिखाता है, जो ऐक्टिंग में भी काम आता है। इसलिए, मेरा मानना है कि डांस से ऐक्टिंग में मदद मिलती है। बाकी, जरूरी नहीं कि हर डांसर आगे ऐक्टर ही बने, यह सबकी अपनी-अपनी चॉइस है।

दिलफेंक आशिक पहले भी होते थे

गंगूबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था के बाद शांतनु लव इन वियतनाम में भी एक जुनूनी आशिक की भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन आज के घोस्टिंग, बेंचिंग वाले दौर में वह इस शिद्दत वाले प्यार से कितना रिलेट करते हैं? इस पर वह कहते हैं, ये चीजें पहले भी हुआ करती थीं, बस ये शब्द नहीं गढ़े गए थे। वरना दिलफेंक आशिक पहले भी घूमते थे। कैसानोवा पहले भी होते थे। बेंचिंग का कॉन्सेप्ट पहले भी था, बस ये शब्द नहीं बने थे। अब इनका इस्तेमाल ज्यादा होने लगा है। हालांकि, मैं तो शिद्दत वाले प्यार में यकीन करता हूं। फिल्म में शांतनु के साथ सोशल मीडिया स्टार अवनीत कौर भी हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। इस बारे में शांतनु का कहना है, कभी-कभी इस बात का बुरा लगता है, पर जो चीज चल रही है, उससे आपको समझौता करना पड़ेगा। आपके या मेरे बोलने से कुछ होने नहीं वाला है। मार्केट में अगर यह चल रहा है तो आप इस पर काम करिए या इसे स्वीकार लीजिए। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हर कोई इसी आधार पर कास्टिंग कर रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर अगर आपके सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं तो बहुत बड़ा प्लस पाइंट है। मान लीजिए, जैसे दो टैलंटेड ऐक्टर हैं, उसमें जिसके फॉलोअर्स ज्यादा होंगे, उसे वरीयता मिलेगी क्योंकि वह एक सोशल मीडिया फैक्टर लेकर आएगा। इसे मैं सही या गलत नहीं बोलूंगा लेकिन इससे डील करना पड़ेगा।

राज सर बोले आज को इंजॉय करो

फिल्म में राज बब्बर जैसे सीनियर अभिनेता के साथ काम के अनुभव पर शांतनु ने बताया, मेरी राज बब्बर सर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बिल्कुल बिना किसी फिल्टर के मुझे अपनी जिंदगी के अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने बड़े पते की बात ये कही कि अभी जिस पल में हो उसे एंजॉय करो, क्योंकि हम ऐक्टर्स की जिंदगी इतनी अनिश्चित होती है कि किसी को नहीं पता कि ये वक्त फिर आएगा या नहीं। कभी हर कोई आपके साथ काम करना चाहेगा, तो कभी कोई पानी भी नहीं पूछेगा तो अभी जो है, उसका पूरा लुत्फ लो।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

मीनाक्षी और जैस्मिन ने गोल्ड जीते

जैस्मिन लंबोरिया
गोल्ड मेडल
कैटेगरी
विमेंस 57 किलोग्राम
किसे हराया
जूलिया स्जेरेमेटा (पोलैंड)
स्कोर : 4-1

मीनाक्षी
गोल्ड मेडल
कैटेगरी
विमेंस 48 किलोग्राम
किसे हराया
नजिम काईजीबे (कजाकिस्तान)
स्कोर : 4-1

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्रेमियों के लिए दिन की पहली खुशखबरी अंग्रेजों के देश से आई, जब लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की दो बेटियो ने गोल्ड मेडल जीते। पहला मेडल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में आया। जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। फिर करीब शाम 4 बजे मीनाक्षी ने 48केजी वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से मात की। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल अपने नाम किए। इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुक्केबाज बेटियों को बधाई दी।

- **सर्वेश कुशारे हाई जंप के फाइनल में पहुंचने वाले भारतीय** - शाम होते-होते टोक्यों में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से एक और अच्छी खबर आई। 30 साल के सर्वेश कुशारे 2.25 मीटर की छलांग लगाकर हाई जंप इवेंट के फाइनल में पहुंच गए। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं।कुशारे का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है और यह उन्होंने 2022 में दर्ज किया था। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.26 मीटर है। उन्होंने 2023 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

आज बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और महेदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजो को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश - लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

टॉस के वक्त ही तय हो गई थी भारत की जीत

पाकिस्तान ने कीं 3 बड़ी गलतियां, टीम इंडिया का पाक पर जीत का सिक्सर

दुबई (एजेंसी)। 2011 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद एक दुखी पाकिस्तानी फैन ने यह जुमला दिया था। रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने इसे फिर सही साबित कर दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में 3 बड़ी गलतियां कीं और शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने तीनों का बखूबी फायदा उठाया। इनमें से एक गलती तो मैच की पहली गेंद फेंके जाने से भी पहले हो गई थी और संभवतः उसी वक्त पाकिस्तान की हार भी तय हो गई।पाकिस्तान की तीनों गलतियों को विस्तार से जानेंगे, उससे पहले बतौर भारतीय फैन गर्व करने लायक एक रिकॉर्ड जान लीजिए। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार छठी जीत है।

- **पहली गलती : जहां 18 में से 16 मैच चेजिंग टीम ने जीते वहां पहले बैटिंग चुनी** - दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर टारगेट का पीछा करने वाली टीम को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। पिछले 5 साल में दुनिया की टॉप-12 टीमों के बीच यहां खेले गए पिछले 18 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 16 में टारगेट चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम पिछले 13 साल में भारत को सिर्फ दो टी-20 मैच हरा पाई थी। दोनों जीत भी इसी ग्राउंड पर दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए मिली थीं। इसके बावजूद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला कर लिया। इरफान पठान, अजय अडेजा, संजय मांजरेकर जैसे कमेंटेटर्स ने सलमान के इस फैसले पर हैरानी जताई।
- **दूसरी गलती : टॉप विकेट टेकर हारिस रउफ को प्लेइंग-11 से बाहर रखा** - पाकिस्तान के एशिया कप स्क्वॉड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सात विकेट तेज गेंदबाज हारिस रउफ के नाम था। इसके बावजूद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के सामने अपने सबसे कामयाब गेंदबाज को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी शुरुआत में ही पिट गए और दूसरे छोर से कोई दमदार फास्ट बॉलर न होने का खामियाजा पूरी टीम ने भुगता।

सूर्या ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की, 'भारत माता' की नारे से गूंजा स्टेडियम

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थी।

खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के वक्त भी सूर्या ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है।भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

सूर्या ने कहा- हम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के साथ - रविवार की सूर्यकुमार यादव का 35वां जन्मदिन था और स्टेडियम में फैंस ने उन्हें बधाई दी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होस्ट संजय मांजरेकर ने उनके लिए हैप्पी बर्थ-डे सॉन्ग भी गाया। सूर्या ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा यह जीत भारत को रिटर्न गिफ्ट है।प्रजेंटेशन के अंत में सूर्या ने कहा, हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता दिखाते हैं और आज की जीत इंडियन आर्म्ड फोर्स को डेडिकेट करते हैं।

सूर्या ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया

टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम गई, दरवाजा बंद कर लिया; अब पीसीबी ने रेफरी हटाने की मांग की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस के दौरान या जीत के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया। इससे निराश पाकिस्तान कप्तान सलमान आगा मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ही शामिल नहीं हुए। अब पीसीबी ने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की है।पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने के सवाल पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, एशिया कप के मामले में बीसीसीआई और सरकार का रुख साफ है। इसी के तहत बतौर टीम मैनेजमेंट हमने फैसला लिया। वहीं, पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा, हमारी टीम मैच के बाद हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में पता चला कि भारत ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

पीसीबी ने शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मैच के कुछ घंटे बाद एक बयान में कहा, हमारे टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया, क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था। फिलहाल मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस शिकायत के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पैंतरा बदला। पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल से रेफरी की ही शिकायत कर डाली। उसने एसीसी से मैच रेफरी को बदलने की मांग की है।

हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे- सूर्या

इसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 127 रन बनाए। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15.5 ओवर में 131 रन बनाकर जीत हासिल की। सूर्या ने छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। सूर्या ने यह जीत भारतीय सेना को समर्पित की, जो मई में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल थे।

सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन

- **फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया, सारांश जैन प्लेयर ऑफ द सीरीज**

नईदिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल जोन ने 11 साल बाद दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया। सेंट्रल जोन सातवीं बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। इससे पहले 2014 में यह खिताब सेंट्रल जोन ने जीता था। सेंट्रल जोन को जीत के लिए महज 65 रन का टारगेट मिला था। टीम ने सोमवार को मुकाबले के पांचवें और आखिरी दिन 4 विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले, चौथे दिन साउथ जोन अपनी दूसरी पारी में 426 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन को महज 65 रन का टारगेट ही मिल सका। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर गुरुवार को सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। साउथ जोन पहली पारी में 149 रन ही बना सका। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 362 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत-ए की टीम ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ बैलेंस्ड होगी

चीफ कोच बोले- श्रेयस अय्यर तैयार, यह सीरीज सीनियर टीम से पहले बड़ा मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच चार दिवसीय टेस्ट मैच से पहले इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भारत-ए के चीफ कोच ऋषिकेश कनिटकर ने टीम इंडिया और कैप्टन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- टीम बैलेंस्ड है और श्रेयस अय्यर तैयार हैं। वह सभी फॉर्मेट के अच्छे प्लेयर हैं। उनका माइंडसेट क्लियर है। टेस्ट क्रिकेट में भी उन्होंने सेंचुरी जड़ी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका है।इंटरनेशनल एक्सपीरियंस खिलाड़ियों को मिलेगा।इसमें से अधिकतर प्लेयर्स दिलीप ट्रॉफी का मैच खेल चुके हैं।

- **कोच बोले- यह आइडल टूर्नामेंट है** - मुख्य कोच ने कहा कि इसमें यह नेक्स्ट लेवल है, जिसमें वह सीनियर टीम के लिए मौका पाएंगे। यह आइडल टूर्नामेंट है। इसमें अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी सीनियर टीम में खेलने का मौका पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए खेलने वाले खिलाड़ी निश्चित तौर पर आगे सीनियर टीम का हिस्सा होंगे।

सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटके थे, मैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया है। उन्होंने इस रेस में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रॉ कराने में कामयाब रहा।

5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए - 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185.3 ओवर डाले।

ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटके थे

सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

हेनरी और सिल्स का प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए।

वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफॉर्म किया।

सौरव गांगुली का फिर बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन प्रेसिडेंट बनना संभव

उनके खिलाफ किसी प्रत्याशी का नॉमिनेशन नहीं, बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली एक फिर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। उन्होंने केब के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। उनके खिलाफ किसी और प्रत्याशी ने नामांकन नहीं भरा है। ऐसे में उम्मीद है कि वह 22 सितंबर को होने वाले केब चुनाव में वे अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे।

हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा- गांगुली - गांगुली ने रविवार को एक बयान में कहा, मैं सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। केब में कोई विपक्ष नहीं है। हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा है। हम सब मिलकर केब और बंगाल क्रिकेट को आगे ले जाएंगे। आगे आने वाले सीजन में ईडन गार्डन्स को

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, मेंस टी-20 वर्ल्ड कप और बंगाल प्रो टी-20 लीग की मेजबानी करनी है। मैं इसके सफल मेजबानी की पूरी कोशिश करूंगा। सौरव गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा। वे इससे पहले 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं।

2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे - इससे पहले भी गांगुली 2015 से 2019 तक केब अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके बाद वह 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहे। तब से वे टी-20 फ्रेंचाइजी सर्किट में कई टीमों के साथ जुड़े रहे हैं। वे 2021 में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था।

- **गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा** - गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली। गांगुली ने अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े। उनका वनडे में बेस्ट स्कोर 183 रन रहा, जो उन्होंने 1999 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। वह साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया। 2002 में लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन रोकेगा मैरिट सर्टिफिकेट फर्जीवाड़ा

- **अब जन्मतिथि और आधार नंबर जरूरी, माता-पिता का नाम भी करना होगा अंकित**

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। इस पर अब हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने सख्ती दिखाते हुए कदम उठाया है। संघ ने प्रदेश की सभी खेल एसोसिएशनों और जिला खेल अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी खिलाड़ी को खेल प्रमाण पत्र जारी करते समय उसकी जन्मतिथि और आधार कार्ड नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के माता-पिता का नाम भी प्रमाण पत्र में लिखा जाएगा। इतना ही नहीं, मैरिट में आने वाले खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र की सही तरीके से जांच की जाएगी और तभी उनका वितरण किया जाएगा। इस पहल के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों के रास्ते बंद हो जाएंगे और केवल असली खिलाड़ियों को ही इसका फायदा मिल सकेगा।

अरब-इस्लामी देशों की आपात बैठक में भाग लेने के लिए कतर रवाना हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

» इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अरब-इस्लामी देशों की एक आपात बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार को एक दिवसीय यात्रा पर कतर के लिए रवाना हुए। कतर में हमास पर इजराइल के हमले की संभावित एकजुट प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। यह शिखर सम्मेलन नौ सितंबर को दोहा पर इजराइल के हवाई हमलों और गाजा में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर आयोजित किया गया है। इस हमले में हमास के पांच सदस्य और कतर का एक सुरक्षा अधिकारी मारा गया था।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और प्रधानमंत्री के विशेष सहायक तारिक फातमी प्रधानमंत्री शहबाज के साथ हैं। जबकि उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार पहले से ही दोहा में हैं। यह एक सप्ताह के भीतर शहबाज की दूसरी कतर यात्रा थी। शहबाज ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात करने तथा दोहा में आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद एकजुटता व्यक्त करने के लिए बृहस्पतिवार को दोहा की यात्रा की थी। दोहा शिखर सम्मेलन में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों के कई शीर्ष नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस बैठक का उद्देश्य इजराइल को एक कड़ा संदेश देना है।

दोहा में हमास पर इजराइली हमले के खिलाफ कतर कर रहा शिखर सम्मेलन का आयोजन

दुबई, भाषा। राजधानी दोहा में हमास के नेताओं पर इजराइल द्वारा पिछले सप्ताह किए गए हमले के खिलाफ कतर सोमवार को एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। कतर को उम्मीद है कि इस शिखर सम्मेलन में अरब और इस्लामी देशों का एक समूह इजराइल को नियंत्रित करने का तरीका सुझाएगा, क्योंकि गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ उसके हमले जारी हैं। हमास के नेताओं पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब कतर इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में संघर्ष विराम करवाने के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। कतर ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस हमले के बावजूद दोनों के बीच संघर्ष विराम करवाने के लिए प्रयास करता रहेगा। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने रविवार को एक बैठक में कहा, अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोहरे मापदंड अपनाना बंद करे और इजराइल को उसके द्वारा किए गए सभी अपराधों के लिए दंडित करे। यह स्पष्ट नहीं है कि शिखर सम्मेलन से क्या हासिल हो पाएगा, क्योंकि कुछ देशों के पहले से ही इजराइल के साथ कूटनीतिक संबंध हैं और वे अपने संबंध तोड़ने में संकोच कर सकते हैं।

गाजा को इजराइल लोगों के रहने लायक नहीं छोड़ने का प्रयास कर रहा : कतर के अमीर

दुबई, भाषा। कतर के सत्तारूढ़ अमीर ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए इजराइली लोगों की परवाह नहीं कर रहा है और इसके बजाय केवल यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि गाजा रहने योग्य न रहे। शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने यह टिप्पणी सोमवार को दोहा में, पिछले हफ्ते हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले पर एक शिखर सम्मेलन की शुरुआत में की। इजराइल ने कहा है कि गाजा में उसके युद्ध का लक्ष्य सभी बंधकों को वापस लाना और हमास को शिकस्त देना है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि (अमेरिकी) विदेश मंत्री मार्को रुबियो इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद कतर जाएंगे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका अपने दो करीबी सहयोगियों, इजराइल और कतर के बीच तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है।

ब्रिटेन की पुलिस ने ब्रिटिश सिख महिला से दुष्कर्म के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

लंदन, भाषा। एक सिख महिला के नस्लीय यौन उत्पीड़न की जांच कर रही ब्रिटिश पुलिस ने उससे दुष्कर्म के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध की उम्र 20 से 25 वर्ष के आसपास है जिसे रविवार को हिरासत में लिया गया था और वह गत मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में हुए नस्लीय भावना के चलते किए गए बलात्कार की जांच के सिलसिले में अब भी हिरासत में है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि 20 से 25 साल उम्र की महिला को जांच के दौरान लगातार सहयोग मिल रहा है। सैंडवेल पुलिस की मुख्य अधीक्षक किम मैडिल ने कहा, यह जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति है और हम समुदाय को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, जांच अभी जारी है और हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे अटकलें न लगाएं क्योंकि हम उन सभी लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो इसमें शामिल हो सकते हैं। पुलिस बल ने न्यायिक प्रक्रिया को अपना काम करने देने के महत्व पर भी जोर दिया। वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र से ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ओल्डबरी में एक सिख युवती पर हुए भयानक हमले से मैं बेहद स्तब्ध हूं। यह एक अत्यधिक हिंसात्मक कृत्य था, लेकिन इसे नस्लीय रूप से उत्तेजित करने वाला भी माना जा रहा है, क्योंकि कथित तौर पर अपराधियों ने उससे कहा था कि वह यहां की नहीं है। सांसद ने कहा, वह यहीं की है। हमारे सिख समुदाय और हर समुदाय को सुरक्षित, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करने का अधिकार है। ओल्डबरी या ब्रिटेन में कहीं भी नस्लवाद और स्त्री-द्वेष के लिए कोई जगह नहीं है। मेरी संवेदनाएं पीड़िता, उसके परिवार और सिख समुदाय के साथ हैं। स्मेथविक से लेबर पार्टी के सिख सांसद गुरिंदर सिंह जोसन ने कहा था कि इस वास्तव में भयावह हमले ने पीड़िता को सदमे में डाल दिया है और उन्होंने किसी भी जानकारी रखने वाले व्यक्ति से घृणा अपराध की जांच में पुलिस की मदद करने की अपील की। रविवार को, स्थानीय सिख समुदाय ने एकजुटता दिखाने के लिए हमले वाली जगह पर मार्च निकाला और पीड़िता और उसके परिवार के लिए प्रार्थना भी की। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि समझा जा रहा है कि दो श्वेत पुरुष संदिग्धों ने पीड़िता को निशाना बनाया और हमले के दौरान नस्लवादी टिप्पणी की। सिख यूथ यूके और सिख फेडरेशन यूके संगठन इस हमले के बाद पीड़िता और उसके परिवार का समर्थन कर रहे हैं।

नेपाल के तीन नवनियुक्त मंत्रियों ने शपथ ली

राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में एक समारोह में नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलायी गयी

» काठमांडू , भाषा। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में तीन नवनियुक्त मंत्रियों ने सोमवार को पद की शपथ ली, जिनमें बिजली बोर्ड के पूर्व सीईओ कुलमन घीसिंग भी शामिल हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में एक समारोह में नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। शीतल निवास को हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। यह कार्यक्रम एक तंबू के नीचे आयोजित किया गया। छह महीने में संसदीय चुनाव कराने के लिए अधिकृत मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री कार्की समेत अब चार सदस्य हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन जेड समूह के व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने गत मंगलवार को इस्तीफा दे दिया, जिससे पैदा हुई राजनीतिक अनिश्चितता कार्की (73) द्वारा 12 सितंबर को शपथ लिए जाने साथ ही समाप्त हो गई थी।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व सीईओ घीसिंग ने तीन विभागों ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाईअ भौतिक अवसंरचना एवं परिवहनअ और शहरी विकास मंत्रालय का कार्यभार संभाला है, जबकि पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनल ने वित्त मंत्री के रूप में शपथ ली है। हाल ही में जेन-जेड वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमुख वकील ओम प्रकाश आर्यल ने गृह और विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री के रूप में शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद मंत्रियों ने अपने-अपने पदभार ग्रहण कर लिए। गृह मंत्री आर्यल ने कहा कि अंतरिम सरकार का लक्ष्य स्वतंत्र व निष्पक्ष माहौल में समय पर चुनाव कराना है। पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए आर्यल ने कहा कि सरकार स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के स्पष्ट जनादेश के साथ बनी है। आर्यल के अनुसार, हाल के प्रदर्शनों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए भौतिक ढांचों का पुनर्निर्माण और सुशासन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताएं होंगी। उन्होंने कहा, अगर विद्रोह के जरिए हटाए गए लोगों को वापस आने का रास्ता दिखता है, तो उन्हें चुनाव के जरिए खुद को परखना होगा और जनादेश हासिल करना होगा। उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर पर अत्यधिक बल प्रयोग की जांच का भी वादा किया, जिसके कारण 72 लोगों की मौत हो गई थी।

नेपाल की अंतरिम सरकार का लक्ष्य स्वतंत्र, निष्पक्ष माहौल में समय पर चुनाव कराना है : गृह मंत्री आर्यल

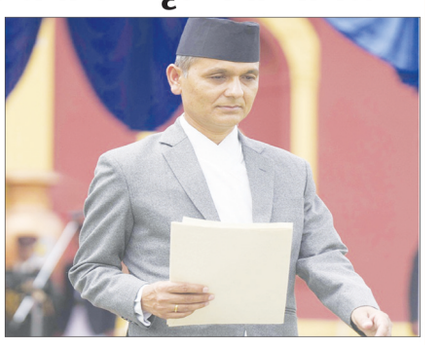

काठमांडू । नेपाल के नवनियुक्त गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सोमवार को कहा कि अंतरिम सरकार का लक्ष्य स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में समय पर आम चुनाव कराना है। हाल ही में जेन-जेड वार्ता में अहम भूमिका निभाने वाले एक प्रमुख वकील आर्यल ने सोमवार को गृह और विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया। आर्यल ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कार्यवाहक सरकार का गठन स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के साथ किया गया था। उनके अनुसार, हाल के प्रदर्शनों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण और सुशासन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताएं होंगी। उन्होंने कहा, अगर विद्रोह से विस्थापित हुए लोगों को वापस आने का रास्ता दिखाई देता है, तो उन्हें चुनाव के माध्यम से खुद को परखना चाहिए और नागरिकों का जनादेश लेना चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान कथित अत्यधिक बल प्रयोग की जांच का भी वादा किया, जिसके कारण 72 लोगों की मौत हो गई। सुशीला कार्की रविवार को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। इसके साथ ही भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर सरकारी प्रतिबंध को लेकर युवाओं के नेतृत्व वाले जेन-जेड विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को पद से हटाए जाने के उपरांत कई दिनों से चल रही राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया। नई सरकार को पांच मार्च, 2026 को नए सिरे से चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने शुल्क लगाने की अमेरिका की अपील को धौंस जमाने और आर्थिक दबाव बनाने का कृत्य बताया

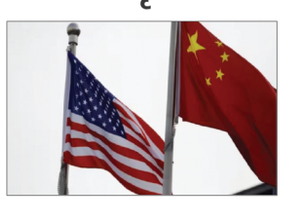

» बीजिंग, भाषा। चीन ने अमेरिका द्वारा जी-7 और नाटो देशों से अपने ऊपर और रूस से तेल खरीद रहे अन्य देशों पर शुल्क लगाने की अपील को एक पक्षीय तरीके से धौंस जमाने और आर्थिक दवाब बनाने का कृत्य करार दिया और चेतावनी दी कि यदि अमेरिका की इस अपील पर अमल किया गया तो वह जवाबी कदम उठाएगा। चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सोमवार को स्पेन में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर अमेरिका और चीन के प्रतिनिधिमंडल दूसरी बार बैठक कर रहे हैं। जी-7 विश्व की सात प्रमुख विकसित और औद्योगिक शक्तियों का एक समूह है जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) एक सैन्य गठबंधन है, जिसमें प्रमुख पश्चिमी देशों ने मिलकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समझौता किया है और इसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली समेत सदस्य देश हैं। एक नियमित प्रेस वार्ता में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, रूस समेत दुनियाभर के देशों के साथ चीन का सामान्य आर्थिक और ऊर्जा सहयोग पूरी तरह वैध, कानून के अनुरूप है और इसमें कुछ गलत नहीं है। प्रवक्ता से इन खबरों के बारे में पूछा गया था कि अमेरिका ने जी-7 और नाटो देशों से चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अपील की है क्योंकि वह रूस से तेल खरीद रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिन जियान ने कहा, यह अमेरिका का आर्थिक दबाव बनाने और एकपक्षीय तरीके से धौंस दिखाने वाला कदम है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर करता है और वैश्विक उद्योग व आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालता है। लिन जियान ने कहा, दबाव और धौंस से समस्याओं का हल नहीं निकलता।

भारतीय मूल के होटल प्रबंधक के हत्यारे के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी: राष्ट्रपति ट्रंप

» ह्यूस्टन/न्यूयॉर्क, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के होटल प्रबंधक चंद्र मौली बॉब नागमल्लैया को एक सम्मानित व्यक्ति बताया, जिनकी पिछले सप्ताह डलास में सिर कलम कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। ट्रंप ने कहा कि अपराधी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने कहा कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ फर्स्ट-डिग्री मर्डर का मुकदमा चलाया जाएगा। टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को डाउनटाउन सुइट्स होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली बॉब नागमल्लैया की उनके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज ने उनकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर हत्या कर दी थी।

इस घटना पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में ट्रंप ने जो बाइडन नीत पूर्ववर्ती सरकार की आव्रजन नीतियों की कड़ी आलोचना की और हमलावर को अवैध अप्रवासी बताया, जिसे उनके अनुसार देश से पहले ही निकाल देना चाहिए था। ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, टेक्सास के डलास में चंद्र नागमल्लैया की हत्या की भयावह खबर मिली। वह एक सम्मानित व्यक्ति थे, जिन्हें उनकी पत्नी और बेटे के सामने बेरहमी से मार दिया गया। यह हत्या क्यूबा से आए एक अवैध प्रवासी ने की, जिसे कभी हमारे देश में होना ही नहीं चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस हिरासत में मौजूद इस अपराधी पर कानून के अनुसार सबसे सख्त कार्रवाई की जाएगी और उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का मुकदमा चलेगा। ट्रंप ने बताया कि आरोपी पहले भी ब'चों के यौन शोषण, कार चोरी और जबरन बंधक बनाने जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार हो चुका है। उन्होंने कहा कि क्यूबा ने इस खतरनाक अपराधी को अपने देश में वापस लेने से इनकार कर दिया जिसके बाद उसे अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क विभाग (आईसीई) की हिरासत से रिहा कर दिया गया। ट्रंप ने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को जिम्मेदार ठहराया और कहा, निश्चित रहें, मेरे कार्यकाल में इन अवैध प्रवासी अपराधियों के प्रति नरमी नहीं बरती जाएगी। गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम, अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी, बॉर्डर प्रमुख टॉम होमन और मेरी सरकार के कई अन्य लोग अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने के लिए बेहद प्रभावी तरीके से काम कर रहे हैं। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने नागमल्लैया की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि नागमल्लैया एक मेहनती भारतीय-अमेरिकी नागरिक थे। उन्होंने कहा, मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अपराधी को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने वायु और नौसैनिक अभ्यास शुरू किया

सियोल, भाषा। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के एक द्वीप के पास वायु और नौसैनिक अभ्यास शुरू किया। वहीं, उत्तर कोरिया ने इस संयुक्त युद्धाभ्यास की निंदा करते हुए इसे लापरवाह शक्ति प्रदर्शन बताया। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि फ्रीडम एज नामक यह अभ्यास समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र में तीनों देशों की संयुक्त अभियागत क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए आवश्यक है। अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमांड ने बताया कि इस अभ्यास में अमेरिकी मरीन और वायुसेना के हवाई उपकरण शामिल होंगे और इसमें उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल व वायु-रक्षा अभ्यास, चिकित्सीय निकासी और समुद्री अभियानों का प्रशिक्षण होगा। इसे अब तक का सबसे उन्नत त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग अभ्यास बताया गया है। यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी जेजू द्वीप के पास शुक्रवार तक चलेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सरकारी मीडिया में इन अभ्यासों की आलोचना की।

ट्रंप ने टिकटॉक को लेकर सौदा होने का संकेत दिया

» वाशिंगटन, भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट पर अपने एक पोस्ट में कहा है कि अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच बैठक अच्छी रही और उस एक खास कंपनी के संबंध में सौदा हो गया है जिसे हमारे देश के युवा बहुत हद तक बचाना चाहते थे। ट्रंप की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि यह कंपनी टिकटॉक है, जो चीन से जुड़ी एक सोशल मीडिया कंपनी है।

अमेरिकी कानून के अनुसार टिकटॉक के समक्ष केवल दो विकल्प हैं, या तो यह खुद को बेच दे या फिर अमेरिका में अपना परिचालन बंद कर दे। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने टिकटॉक के भविष्य को लेकर बार-बार समय सीमा बढ़ाई है और रविवार शाम पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने किसी समझौते पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। लेकिन ट्रंप ने इतना जरूर कहा कि वह शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात करेंगे।

मस्क ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय सरकारों द्वारा हानिकारक ऑनलाइन सामग्री पर अंकुश लगाने के प्रयासों के भी आलोचक

ब्रिटिश राजनेताओं ने प्रवासी विरोधी रैली में एलन मस्क की टिप्पणियों की निंदा की

» लंदन, भाषा। प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर को सोमवार को एलन मस्क पर प्रतिबंध लगाने की मांग का सामना करना पड़ा। यह मांग एक्स और टेस्ला के मालिक की ओर से एक आव्रजन-रोधी रैली में की गई उस टिप्पणी के लिए की गई जिसमें उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में हिंसा हो सकती है और उन्हें लड़ना होगा या मरना होगा। स्टॉर्मर ने शनिवार को लंदन में अति-दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन द्वारा आयोजित 1,00,000 से अधिक लोगों के यूनाइट द किंगडम प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की निंदा की।

पुलिस ने कहा कि 26 अधिकारी घायल हो गए, जिनमें से चार गंभीर हैं। पुलिस ने 25 लोगों को गिरफ्तार किया है और कहा कि अभी और गिरफ्तारियां की जाएंगी। वीडियो लिंक के माध्यम से प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मस्क ने संसद को भंग करने, समय से पहले चुनाव कराने और ब्रिटेन में सरकार बदलने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा, हिंसा भड़क सकती है, आप या तो जवाबी कार्रवाई करें या फिर जान दे दें। ब्रिटेन की संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एड डेवी ने स्टॉर्मर और विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता केमी बेडेनोच से आग्रह किया कि वे मस्क की निंदा करने में उनका साथ दें जो हमारी सड़कों पर हिंसा भड़काने और ब्रिटिश लोकतंत्र में दखलंदाजी का प्रयास कर रहे हैं। डेवी ने कहा, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि इसके परिणामस्वरूप एलन मस्क पर क्या प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। समानता सबंधी मामलों के मंत्री जैकी स्मिथ ने कहा कि मस्क की टिप्पणी गलत और खतरनाक थी। वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने इन टिप्पणियों को समझ से परे और पूरी तरह से अनुचित करार दिया, लेकिन कहा कि प्रदर्शन से पता चलता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जीवित है। स्टॉर्मर ने मस्क की टिप्पणियों पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, शांतिपूर्ण विरोध हमारे देश के मूल्यों का मूल है। लेकिन हम उन पुलिस अधिकारियों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो अपना काम कर रहे हैं, और न ही हम इस बात को सहन करेंगे कि लोग अपनी पृष्ठभूमि या अपनी त्वचा के रंग के कारण हमारी सड़कों पर डर महसूस करें। यह पहली बार नहीं है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी मस्क ने यूरोप में कट्टर-दक्षिणपंथी और अति-दक्षिणपंथी हस्तियों का समर्थन किया है जिनमें रॉबिन्सन (सजायाफ्ता धोखेबाज और इस्लाम-विरोधी इंग्लिश डिफेंस लीग के संस्थापक) और अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी या एएफडी शामिल हैं। रॉबिन्सन का असली नाम स्टीफन याक्सली लेनन है। मस्क ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय सरकारों द्वारा हानिकारक ऑनलाइन सामग्री पर अंकुश लगाने के प्रयासों के भी आलोचक हैं, जिसके बारे में उनका तर्क है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करता है। शनिवार का प्रदर्शन अनधिकृत आव्रजन, खासकर छोटी नावों के जरिए इंग्लिश चैनल पार कर प्रवासियों के आगमन को लेकर बढ़ती राजनीतिक चिंता को दर्शाता है। ब्रिटेन, फ्रांस और अन्य देशों के अधिकारियों द्वारा इन यात्राओं के पीछे मौजूद मानव तस्करी करने वाले गिरोहों पर नकेल कसने के प्रयासों के बावजूद, इस साल अब तक 30,000 से अधिक लोग फ्रांस से यह खतरनाक रास्ता पार कर चुके हैं।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने मेयर पद के लिए जोहरान ममदानी का समर्थन किया

» न्यूयॉर्क, भाषा। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहरवासियों से जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी का मेयर चुनने की रविवार को अपील की। अमेरिका के सबसे बड़े शहर के इस अहम पद की दौड़ में शामिल ममदानी के लिए यह महत्वपूर्ण समर्थन माना जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार के ऑपिनियन कॉलम में लिखे एक लेख में गवर्नर होचुल ने कहा कि भले ही वह और ममदानी कुछ मुद्दों पर एकमत नहीं हैं, लेकिन दोनों इस बात पर सहमत हैं कि न्यूयॉर्क शहर और देश में बढ़ती महंगाई की समस्या को दूर करना बेहद जरूरी है। डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य होचुल ने लिखा, लेकिन हमारी बातचीत में मैंने उनमें एक ऐसा नेता देखा जो न्यूयॉर्क के लिए मिलकर काम करना चाहता है, ताकि ब'चे सुरक्षित माहौल में पले-बढ़ें और हर परिवार को आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

उन्होंने कहा, ममदानी में मुझे ऐसा नेता दिखा जो न्यूयॉर्क सिटी को सभी के लिए किफायती और रहने लायक बनाने पर ध्यान दे रहा है और मैं इसका पूरे दिल से समर्थन करती हूं। खुद को एक लोकतांत्रिक समाजवादी कहने वाले जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद की दौड़ में शामिल हैं, और उन्हें मिला यह महत्वपूर्ण समर्थन डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया जब पार्टी राष्ट्रपति पद पर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रही है। होचुल के समर्थन को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि पहले ममदानी के उदारवादी विचारों को लेकर सशंकित डेमोक्रेटिक नेता अब उनका समर्थन करने लगे हैं। ममदानी ने इस समर्थन के लिए होचुल का आभार जताते हुए कहा कि यह इस बात का संकेत है कि हमारा आंदोलन और मज़बूत हो रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,